सूर्योदय 06:33 AM
सूर्यास्त 05:06 PM
अधिकतम 26 Degree
न्यूनतम 14 Degree
सोना 79, 065 Rs.
चांदी 91, 500 Rs.

www.swatantrabaat.com

हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र बात

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

डाक पंजीयन संख्या LW/NP-142/2022-2024

R.N.I. No. UPHIN/2010/36179 लखनऊ संस्करण

जन जन की आवाज

खबरों एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
मो0 7007147353
Swatantrabaat@gmail.com

वर्ष. 16 अंक. 6 लखनऊ, मंगलवार, 10 दिसम्बर 2024 Swatantrabaat@gmail.com पृष्ठ. 8 मूल्य 2:00 रुपये

पृष्ठ 4 लोकतंत्र बचाना है तो ईवीएम प्रणाली को ...
पृष्ठ 5 एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल ...
पृष्ठ 8 सुकृति छेत्री बनीं लुलु नीविआ ....

संक्षिप्त समाचार

उच्च न्यायालय ने स्पीकर नरेंद्र तोमर और विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस जारी किया

(एजेंसी) इंदौर। मध्य प्रदेश के बीना विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म किए जाने संबंधी याचिका पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में सोमवार को सुनवाई हुई। इस पर न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर को होगी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की ओर से उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है।

तीसरी आंख

प्रधानमंत्री ने किया 'बीमा सखी योजना' का उद्घाटन

महिला सशक्तिकरण की दिशा में नारी शक्ति बनेगी विकसित भारत का आधार : मोदी

(स्वतंत्र बात/एजेंसी)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के पानीपत में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 'बीमा सखी योजना' का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री ने पानीपत से वर्चुअल माध्यम से बटन दबाकर करनाल के महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण का शिलान्यास भी किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन एक और वजह से खास है। आज 9 तारीख है और शास्त्रों में अंक 9 को बहुत शुभ माना जाता है। 9 अंक का संबंध मां दुर्गा के नौ रूपों से है। आज का दिन भी नारी शक्ति की उपासना जैसा ही है। आज 9 दिसंबर को ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। ऐसे समय में जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है। विश्व को नीति और धर्म का ज्ञान देने वाली महान धरती पर आज के दिन आना और भी सुखद है। इस समय कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव भी चल रहा है। मैं गीता की इस धरती को प्रणाम करता हूं। बीमा सखी योजना का शुभारंभ पानीपत से हो रहा है। ऐसे में पानीपत एक प्रकार से नारी शक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। हमारी महिलाएं विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार बनेंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सभी माताओं-बहनों ने नारा लगाया था कि म्हारा हरियाणा, नॉनस्टॉप हरियाणा। हमारी सरकार ने बीते 10 सालों में नारी सशक्तिकरण के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। आज हरियाणा के पानीपत में बीमा सखी योजना का शुभारंभ और विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करते हुए मुझे खुशी हो रही है। कई बार जब हम किसी खिलाड़ी को पदक जीतने के बाद गर्व से बोलते हुए सुनते हैं, तो हम भूल जाते हैं कि उस खिलाड़ी ने, उस बेटी ने इसे हासिल करने के लिए वर्षों की कड़ी मेहनत की है। जब कोई एवरेस्ट पर तिरंगे के साथ फोटो लेता है तो हम भूल जाते हैं कि उस व्यक्ति को शिखर तक पहुंचने में कितने वर्षों का संघर्ष करना पड़ा था।

आज श्बीमा सखी योजना का शुभारंभ भी वर्षों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। पीएम मोदी ने कहा कि नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। हरियाणा ने एक है तो सेफहै के मंत्र को जिस तरह अपनाया है, वह देश में उदाहरण बना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार को बने अभी कुछ सप्ताह ही हुए हैं, लेकिन तारीफपूरे देश में हो रही है। सरकार बनते ही यहां बिना किसी लागत या सिफारिश के हजारों युवाओं को स्थाई नौकरी मिली है और यह देश ने देखा है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने साल बाद भी अधिकतर महिलाओं के बैंक खाते नहीं थे। उनकी सरकार ने सबसे पहले माताओं-बहनों के जनधन बैंक खाते खुलवाए। आज गर्व है कि 30 करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खुल गए। आज जनधन बैंक खाते न होते तो गैस सब्सिडी के पैसे महिलाओं के खाते में न आते। रेहड़ी लगाने वाली महिलाओं के लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद रहते हैं।

झारखंड की नवगठित विधानसभा का पहला सत्र शुरू

हेमंत सोरेन सहित कई सदस्यों ने ली विधायक के रूप में शपथ

(स्वतंत्र बात/एजेंसी)

रांची। झारखंड की नवगठित छठी विधानसभा का पहला सत्र सोमवार को दिन के 11.15 बजे शुरू हुआ। प्रोटेम स्पीकर प्रो. स्टीफन मरांडी ने कार्यवाही प्रारंभ होने के साथ नई विधानसभा के गठन को लेकर राज्यपाल का संदेश पढ़ा। उन्होंने झारखंड के वीर शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सपनों के अनुरूप विकसित झारखंड बनाने में सभी सदस्य सहयोग करेंगे, इसकी कामना करता हूं। प्रोटेम स्पीकर ने विधानसभा के स्थायी अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया से भी सदस्यों को अवगत कराया।इसके बाद नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण की प्रक्रिया शुरू हुई। सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बरहेट विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचित सदस्य के रूप में शपथ दिलाई गई। इसके बाद छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के सदस्य के तौर पर राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और चाईबासा सीट से निर्वाचित परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने शपथ ली। घाटशिला के नवनिर्वाचित विधायक के तौर पर स्कूली शिक्षा विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने संथाली भाषा, गिरिडीह विधानसभा सीट के विधायक के रूप में नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने खोरठा, जामताड़ा के विधायक के रूप में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बांग्ला और मधुपुर के विधायक के रूप में जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने उर्दू में शपथ ली। कृषि एवं पशुपालन विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर सीट के विधायक के रूप में शपथ लेते हुए दायें हाथ में संविधान की पुस्तक ले रखी थी।

❑ **झारखंड विधानसभा में 80 विधायकों ने शपथ ली, रबींद्रनाथ महतो का स्पीकर बनना तय**

कई विधायकों ने झारखंड की क्षेत्रीय भाषाओं में शपथ ली। डुमरी सीट से पहली बार विधानसभा सदस्य के रूप में चुने गए जेएलकेएम (झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा) के जयराम महतो ने सदन में प्रवेश करने के पहले चौखट पर माथा टेका। वह नंगे पांव सदन में पहुंचे हैं। छठी विधानसभा पिछली विधानसभाओं की तुलना में कई मायनों में अलग है। इस बार सदन में सदस्यों की संख्या 82 की बजाय 81 है। इसकी वजह यह है कि विधानसभा में 82वें विधायक के रूप में एंग्लो इंडियन समुदाय के किसी व्यक्ति को मनोनीत करने की संवैधानिक व्यवस्था अब समाप्त हो गई है। सदस्य संख्या बल में पिछली सभी विधानसभाओं से ज्यादा हैं। इस बार सदन में 21 यानी एक चौथाई विधायक ऐसे हैं, जो पिछली विधानसभा का हिस्सा नहीं थे। विधानसभा में चार पार्टियों का एकल प्रतिनिधित्व होगा। जदयू, लोजपा (आर), आजसू पार्टी और जेएलकेम के एक-एक विधायक जीतकर सदन में पहुंचे हैं।

आम आदमी पार्टी ने जारी की दूसरी लिस्ट, पटपड़गंज से अवध ओझा लड़ेंगे चुनाव

(एजेंसी) नई दिल्ली। अगले साल फरवरी में दिल्ली विधानसभा का चुनाव होना है। जिसे लेकर आम आदमी पार्टी एक्शन मोड में दिखाई दे रही है। पार्टी ने अपने 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में कई नाम हाल ही में बीजेपी कांग्रेस से आए नेताओं के हैं। मशहूर शिक्षक और मोटिवेशनल स्पीकर अवध ओझा को पटपड़गंज से मैदान में उतारा है। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे। मादीपुर से राखी बिड़ला को टिकट दी गयी है जो पत्रकार से राजनेता बनी हैं, आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य हैं। दिल्ली विधानसभा में आप के 49 दिनों के संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान, राखी ने 28 दिसंबर, 2013 से 14 फरवरी, 2014 तक महिला एवं बाल विकास, सामाजिक कल्याण और भाषा मंत्री के रूप में कार्य किया। उल्लेखनीय रूप से, वह दिल्ली में सबसे कम उम्र की कैबिनेट मंत्री बनीं। राखी बिड़ला वर्तमान में दिल्ली विधानसभा की सबसे कम उम्र की डिप्टी स्पीकर हैं, जो आप में उनकी बढ़ती प्रमुखता को दिखाता है। कृष्णा नगर से एसके बग्गा दो बार विधायक रहे। उन्होंने भाजपा की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवार व पहली महिला आईपीएस किरण बेदी को हराया था। पार्टी ने इस बार इनके बेटे

अमर शहीद खुदीराम बोस की स्मृति में आजाद समाज सेवा समिति का 29 वां वार्षिकोत्सव संपन्न

❑ गरीब और निराश्रित 1000 जरूरतमंदों को कंबल, विद्यालय में अध्यनरत 100 छात्राओं को साइकिल व स्वरोजगार हेतु 60 महिलाओं को सिलाई मशीन कि हुआ वितरण

संवाददाता

सुल्तानपुर। अमर शहीद खुदीराम बोस की स्मृति में नगर के स्थानीय तिकोनिया पार्क में आजाद समाज सेवा समिति का 29 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसमें ठंड से बचने के लिए 1000 गरीब निराश्रित लोगों को कंबल, विद्यालय में अध्यनरत 100 छात्राओं को साइकिल व जीविकोपार्जन हेतु 60 महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अमर शहीद खुदीराम बोस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। छात्रा उर्वी सिंह द्वारा शहीद खुदीराम बोस के जीवन पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत समाचार के प्रधान संपादक वृजेश मिश्रा ने कहा कि पूरे प्रदेश में आजाद समाज सेवा समिति सेवा भाव के लिए जानी जाती है लोग अक्सर यह जानना चाहते हैं कि मैं सुल्तानपुर क्यूं आता रहता हूं। मेरा मानना है कि पूरे वर्ष किसी आयोजन में न जाकर यहां जरूर आता हूं। आजाद समाज सेवा समिति ऐसी संस्था है जिसकी सेवा भाव देखकर मैं सुल्तानपुर आता हूं। जो समाज के निचले पायदान पर रहने वाले गरीबों के प्रति पूरी निष्ठा से सेवा कर रही है।। उन्होंने युवाओं से अपील की कि मै पिछले दो वर्ष पहले आया था और युवाओं को पाठ पढ़ाया था कि मोबाइल का उपयोग कम से कम करें आज का युवा ज्यादा से ज्यादा समय मोबाइल रील बनाने में नष्ट कर रहा है। युवा मोबाइल का मोह छोड़कर

समाज की सेवा में जुड़े। उन्होंने युवाओं, व्यापारियों, समाजसेवी संगठनों से अपील की है कि सफाई और अतिक्रमण सुल्तानपुर के लिए अहम मुद्दा है सरकार पर ही निर्भर ना रहे। आगे आकर शहर को स्वच्छ सुल्तानपुर बनाने का काम करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रैमन मैग्सेसे से पुरस्कृत डॉक्टर संदीप पांडे ने कहा कि आजाद समाज सेवा समिति की सेवा कार्यों से मै लगभग 22 वर्षों से जुड़ा हूं, और संस्था के कई कार्यक्रमों में पहले भी आ चुका हूं। उन्होंने कहा कि मणिपुर में दो समुदायों के बीच पिछले लगभग डेढ़ वर्षो से हिंसा चल रही है । हमारे देश के प्रधानमंत्री मौन साधे हुए हैं और वहां जाने की अब तक उनको फुर्सत नहीं मिली है। जबकि मणिपुर में 60,000 शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। उन्हें नित्य प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की आवश्यकता है इसकी पूर्ति के लिए उन्होंने एक मुहिम चला रखी है, जिसमें लोगों से सहयोग की अपेक्षा की है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे संस्था के संस्थापक व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने संस्था के सेवा भाव को लगातार 30 वर्षों से जारी रखने के लिए संस्था के समस्त पदाधिकारीयों को धन्यवाद दिया है। संस्था अध्यक्ष अशोक सिंह ने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी संभ्रांत लोगों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को वरिष्ठ समाजसेवी करतार केशव यादव, वरिष्ठ साहित्यकार कमलनयन पांडे, केएनआई के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर राधेश्याम सिंह, सपा नेता पप्पू रिजवान, शकील अहमद, शशि प्रकाश सिंह, डॉ सुधाकर सिंह, रुद्र प्रताप सिंह मदन, डॉ आशीष द्विवेदी, आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष शराफत खान सहित श्याम नारायण पांडे, बब्लू सिंह प्रधान, दिलीप सिंह भोले, अजय सिंह, मकसूद अंसारी, रवि दुबे,गिरीश तिवारी बब्लू, शैलेश वर्मा, सर्वेश सिंह, जीडी पांडे, मयंक पांडे सोनू, इमरान खान पांचोंपीरन, मसूद अहमद, आवेज खान उर्फभदनान, रविंद्र तिवारी, अरविंद यादव, मोईद खान, दिनेश यादव, विजय यादव, शमशाद अहमद,मोहम्मद अहमद, सर्वेंद्र वीर विक्रम सिंह, अनीता सिंह का सराहनीय योगदान रहा।

राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज खजूरडीह में करियर गाइडेंस मेले का आयोजन

संवाददाता

अंबेडकरनगर। पंडित दीन दयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज पहितीपुर खजूरडीह में करियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया। मेले में बच्चों की करियर बनाने के संबंध में उनकी जिज्ञासाओं को विशेषज्ञों ने शांत किया। छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए उनको अलग अलग क्षेत्रों में किस तरह से आगे बढ़ें और सफल हों इसकी जानकारी दी। गाइडेंस मेले का उद्घाटन राजेश कुमार सरोज, प्रधानाचार्य छत्रपति शाहूजी महाराज राजकीय पॉलिटेक्निक एवं नीलम यादव, प्रधानाचार्या द्वारा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बेवाना, रणविजय कुमार, विनय कुमार, शिव नाथ की उपस्थिति में किया गया। करियर गाइडेंस मेले में कक्षा नौ से 12 तक के छात्र - छात्राओं को श्पंखश् पोर्टल पर उपलब्ध श्करियर गाइडेंसश् संबंधी विभिन्न जानकारी मुख्य अतिथि एवं विभिन्न राजकीय स्कूलों से आए हुए प्रधानाचार्य द्वारा अभिभावकों की उपस्थिति में छात्र-

छात्राओं को बताई गई। मेले को आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों यथा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, एकल नृत्य, समूह नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं तथा अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य जय चन्द द्वारा सभी सम्मानित अतिथियों के प्रति हार्दिक आभार और धन्यवाद ज्ञापन व्यक्त करते हुए छात्र - छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण कुमार सिंह एवं डॉ रिंका सिंह द्वारा किया गया।

गोमती मित्र बनना नहीं है आसान, तपते हैं, थकते हैं, रोज फिर भी करते हैं श्रमदान

संवाददाता

सुल्तानपुर। जनपद का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा, जहां लोग स्वच्छता के लिए गोमती मित्र मंडल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की चर्चा ना करते हो और अगर बात सीता कुंड धाम की हो तो लोगों के जेहन में अपने आप ही गोमती मित्रों की तस्वीर उभर आती है।यह सम्मान गोमती मित्रों को साल दो साल में नहीं मिला है,बल्कि बारह वर्षों की अनवरत यात्रा जिसमें नगर, जनपद, प्रदेश के अन्य जनपदों और प्रदेश के बाहर अन्य प्रदेशों में भी स्वच्छता के लिए लोगों को जागरूक करने की महिम चलाते रहने के कारण हासिल हुआ है।वरिष्ठ पदाधिकारी राजेश पाठक मुन्ना कहते हैं कि इतने वर्षों से लगातार श्रमदान करते रहने के बावजूद भी गोमती मित्रों को ना उबन है ना थकान ना ही विश्राम की भावना और

फिर 2025 तो गोमती मित्रों के लक्ष्य का निर्णायक वर्ष है। रविवार 8 दिसंबर को भी गोमती मित्रों ने सर्द ठिठुराती हवा में प्रात: 6: 30 बजे से ही श्रमदान शुरू किया और 9:30 तक अनवरत जुटे रहे जब तक कि पूरा परिसर साफ नहीं हो गया।श्रमदान में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, मुन्ना सोनी, आलोक तिवारी, राकेश मिश्रा,राकेश सिंह दद्दू,मुन्ना पाठक, सुजीत कसौधन,संत कुमार प्रधान, दाऊजी, दिनकर प्रताप सिंह,पप्पू शर्मा, सोनू सिंह,अनुज प्रताप सिंह, अजय प्रताप सिंह,राम क्रिंचल मौर्य, विकास शर्मा, अभय, अर्जुन, रोहित, अर्पित, आयुष, हैप्पी, प्रांजल, श्याम, आभास आदि उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। विकास खड जलालपुर में श्री आनन्द कुमार शुक्ला, मुख्य विकास अधिकारी अम्बेडकरनगर द्वारा जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा की गई, जिसमें सभी संगणकों को निर्देशित किया गया कि 03 दिन का विशेष अभियान चलाकर प्रत्येक गाँव से 20-25 निर्धनतम परिवारों का चिन्हीकरण करते हुए मॉअप ऐप (डव्व्च् ।च्) पर सूचनायें फीड करें एवं उनका सत्यापन, सत्यापन समिति से कराया जाय ताकि उक्त निर्धनतम परिवारों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से आच्छादित कर उनके सत्त आय का स्रोत बनाते हुए उनका गरीबी उन्मूलन किया जा सके। संगणकों में पंचायत सहायक, ग्राम रोजगार

सेवक, बीसी सखी, समूह सखी तथा सत्यापन समिति में ग्राम प्रधान, भूतपूर्व प्रधान, स्कूल के प्रधानाध्यापक एवं ऑगनबाडी कार्यकत्री आदि को रखा गया है। उक्त मौके पर समीक्षा के दौरान जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त श्रम रोजगार, जिला पंचायत राज अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी तथा विकास खंड स्तरीय सभी कर्मचारी उपस्थित रहें।

सड़क दुर्घटना में दो अलग-अलग लोगों की हुई मौत

संवाददाता, कादीपुर,सुलतानपुर ।कादीपुर कोतवाली अंतर्गत ककना गांव की निवासिनी निर्मला देवी मुडिला बाजार की तरफसे अपने घर ककना गांव जा रही थी ।कादीपुर की तरफसे आ रही बाइक ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिस से महिला वहां गिर गई, गांव वालों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दूसरी घटना मोहम्मदाबाद गांव के पास एक बाइक पर तीन लोग गोपीनाथपुर थाना चांदा की तरफसे कादीपुरजा रहे थे ।तभी सामने से आ रही जेसीबी से टक्कर होने पर तीनों लोग वहीं गिर गए ।घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति सतीश सुत सियाराम को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया और साथ में दोनों लोग बुरी तरह से घायल हो गए थे।

सुनील मौर्या ने संभाला था चुनावी प्रबंधन

संवाददाता, अम्बेडकरनगर सुनीता देवी को नगर पंचायत का चुनाव लड़ने और जीतने में बसपा नेता सुनील मौर्य का सबसे बड़ा सहयोग और हाथ था। नगर पंचायत अध्यक्ष सुनीता देवी ने अधिशासी अधिकारी से हुए बवाल के बाद धीरे धीरे अपने प्रतिनिधि सुनील मौर्य से दूरी बनाना शुरू किया और शुक्रवार को उन्हें अपना प्रतिनिधि मानने से ही इंकार कर दिया। बसपा नेता सुनील मौर्य ने आर्थिक रूप से कमजोर सुनीता देवी को बसपा से टिकट दिलाया और पूरे चुनाव का प्रबंधन संभालते हुए जीत दर्ज कराई। बताया जाता है कि सुनीता देवी के चुनाव का सारा खर्च सुनील मौर्य ने ही किया था। चुनाव जीतने के बाद सुनीता देवी ने सुनील मौर्य को अपना प्रतिनिधि बनाया था और उनके जरिए ही नगर पंचायत का काम देखती थीं। अधिशासी अधिकारी से हुए विवाद के बाद अब सुनीता देवी ने सुनील मौर्य से दूरी बना ली और उन्हें अपना प्रतिनिधि मानने से इंकार करते हुए खुद कार्यभार संभालने की घोषणा की है।

जूनियर शिक्षक संघ का अधिवेशन 15 को

संवाददाता, बस्ती। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ बस्ती मण्डल की बैठक बी.एस.ए. कार्यालय के परिसर में स्थित विद्यालय पर मण्डल अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद और ब्लाक स्तरीय अधिवेशन कराये जाने, सदस्यता शुल्क जमा कराये जाने, शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण आदि बिन्दुओं पर विचार किया गया। निर्णय लिया गया कि 15 दिसम्बर को जिला कार्यकारिणी का अधिवेशन होगा। मण्डल अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद ने कहा कि अधिवेशन में बड़ी संख्या में शिक्षक हिस्सा लेंगे। संचालन करते हुये मण्डल महामंत्री अमरेश बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षकों के समस्याओं का प्रमुखता से निस्तारण संघ की प्राथमिकता है। बैठक में मुख्य रूप से सुभाष चन्द्र, अशोक कुमार गुप्ता, अब्दुल रहीम, केशराम चौधरी, घनश्याम प्रसाद, शमीम अहमद, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव के साथ ही संघ पदाधिकारी और अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के निर्वाचित होने पर दी बधाई

संवाददाता, सुल्तानपुर। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ नई दिल्ली की निर्वाचित पच्चीस सदस्यीय समिति शिक्षक भवन नई दिल्ली में घोषित कर दी गई ।उक्त समिति में उत्तर प्रदेश से तीन शिक्षकों को कमेटी में जगह मिली। संजय मिश्रा वाइस प्रेसिडेंट जनपद महराजगंज, उमाशंकर सिंह सिक्रिटरी जनपद आजमगढ़, अर्जुन सिंह आर्गनाइजेशन सिक्रिटरी जनपद गोण्डा को जिम्मेदारी दी गई है ।बताते चलें कि केरला राज्य में दो दिसंबर को निर्वाचन हुए था। दिनांक छ: दिसम्बर को निर्वाचित पदाधिकारियों की सूची में बासवाराज प्रेसिडेंट व कमलाकांत त्रिपाठी सिक्रिरेटरी जनरल ने घोषित लिस्ट के सापेक्ष गारमेंट्स आफइंडिया को पत्र लिखा। उत्तर प्रदेश के तीन पदाधिकारियों को अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ में जगह मिलने पर शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया।

पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन में शहीद डॉक्टर रामाशीष सिंह को शिक्षक कर्मचारियों ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

सुल्तानपुर। तिकोनिया पार्क में पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के लिए शहीद हुए डॉ. रामाशीष सिंह की श्रद्धांजलि सभा का प्रति वर्ष की भांति आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष अशोक सिंह गौरा की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री मो. हसीब,उपाध्यक्ष सुरेंद्र मौर्य और जिला प्रवक्ता मनोज दूबे के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में सैकड़ों शिक्षक,कर्मचारी और विभिन्न विभागों के संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। जिलाध्यक्ष अशोक सिंह गौरा ने अपने संबोधन में बताया कि 7 दिसंबर 2016 को डॉ. रामाशीष सिंह लखनऊ विधानसभा के सामने शान्ति पूर्ण ढंग से चल रहे धरना प्रदर्शन में सम्मिलित हो करके पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहे थे कि अचानक पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिसमें वह शहीद हो गये। उन्होंने भावुक होकर कहा कि

उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी और पुरानी पेंशन की बहाली सुनिश्चित की जाएगी। प्राथमिक शिक्षक संघ के मांडलिक मंत्री शमीम अहमद ने शिक्षकों और कर्मचारियों की एकता पर जोर दिया। ब्लॉक अध्यक्ष कुड़वार देशराज, दूबेपुर ब्लॉक अध्यक्ष राजेश पांडे, जयसिंहपुर ब्लॉक अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह,भदैया ब्लॉक अध्यक्ष कामेश्वर गौंड़, धनपतगंज ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद सिंह,लम्भुआ ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश सिंह,बल्दीराय ब्लॉक मंत्री शिव शंकर,मोतिगरपुर ब्लॉक मंत्री नवीन श्रीवास्तव और अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आंदोलन के प्रति दृढ़ संकल्प जताया। अटेवा जिला महामंत्री मो. हसीब ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए पुरानी पेंशन बहाल होने का भरोसा दिलाया। बल्दीराय ब्लॉक मंत्री शिव शंकर ने संघर्ष यात्रा में सक्रिय भागीदारी का आश्वासन दिया। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश गौड़ और जिला मंत्री डिप्लोमा फार्मेसिस्ट लक्ष्मण स्वरूप ने कहा कि डॉ. रामाशीष सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी, जब पुरानी पेंशन बहाल होगी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लिया और आंदोलन को निरंतर जारी रखने पर जोर दिया। सभा में रामाशीष मौर्य जिला कोषाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ,राधेश्याम मौर्य जिला उपाध्यक्ष, जिला आईटी सेल प्रभारी चन्द्रपाल राजभर, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष गरिमा चौरसिया, कोषाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा, अनुराग श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी मनोज प्रभाकर सिंह और कांति सिंह,अनिल श्रीवास्तव, राजेन्द्र मिश्र, राकेश गुप्ता,उपेन्द्र सिंह,अजीत सिंह, के के सिंह,मनोज मौर्य,चंद्रिका प्रसाद,विजय बहादुर सिंह,संजय,सुरेश यादव सहित सैकड़ों शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कमलेश गिरि को कादीपुर ब्लॉक का आईटी सेल प्रभारी नियुक्त किया गया।

माध्यमिक शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

संवाददाता

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय माध्यमिक शिक्षकों का नवाचारी शिक्षण विधियों के प्रयोग हेतु प्रशिक्षण डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी विषय के 100 शिक्षक प्रशिक्षित किए गए। संयुक्त शिक्षा निदेशक ओम प्रकाश मिश्र ने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है ऐसे समय में शिक्षक परंपरागत विधियों तक सीमित नहीं रह सकते उन्हें छात्रों के सामने आधुनिक समय के मांगों के अनुरूप नवीन शिक्षण विधियों के साथ विषय को प्रस्तुत करना चाहिए। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि बदलते समय के साथ शिक्षकों को

नवाचारों का प्रयोग करना चाहिए जिससे बच्चों में विषय के प्रति रुचि उत्पन्न हो। प्रशिक्षण में शिक्षकों को विभिन्न विषयों की बारीकियां से अवगत कराया गया। नवाचारी शिक्षण विधियों के माध्यम से सरल व रोचक तरीकों से शिक्षण को प्रभावी बनाए जाने के ढंग पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षण प्रभारी डॉ रविनाथ त्रिपाठी एवं नोडल प्रवक्ता कुलदीप चौधरी ने किया। प्रशिक्षण को सकुशल संपन्न कराने में डायट प्राचार्य शशिदर्शन त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, अलीउद्दीन एवं सरिता चौधरी ने अपना योगदान दिया।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं ऑयल कंपनियों के पदाधिकारियों एवं नए पेट्रोल पंप के आवेदकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक

संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में नए पेट्रोल पंप खोलने के लिए जल्द से जल्द अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं ऑयल कंपनियों के पदाधिकारियों एवं नए पेट्रोल पंप के आवेदकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की । बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार से मिले दिशादृनिर्देश के आलोक में पेट्रोल पंप खोलने के लिए संबंधित अधिकारी समय सीमा के भीतर अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करें ताकि जिले में अधिक से अधिक पेट्रोल पंप खुल सके। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों पर अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए लंबित मामलों की आवेदनवार एवं विभागवार गहनता से समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को अविलंब संदर्भित मामलों को त्वरित गति से

निष्पादित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने में हो रहे विलंब के कारणों पर भी अफसरों से जानकारी ली। उन्होंने सिंगल विंडो सिस्टम की प्रक्रिया अपनाने पर भी बल दिया ताकि कम समय में अनापत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मामलों का निष्पादन तेजी से हो सके। जिलाधिकारी ने समय सीमा के भीतर आवेदनों के निपटारे पर भी जोर देते हुए कहा कि जो आवेदक सरकार के स्तर पर बनाए गए गाइडलाइन का पालन करते हैं, तो उनको नियमानुसार प्रमाण पत्र निर्गत किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जमीन के समपरिवर्त्तन का कार्य तेजी से करने का निर्देश सभी एसडीएम को दिया गया। सभी अधिकारियों को इस कार्य को प्राथमिकता से करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ सदानंद गुप्ता, संबंधित उप जिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी सहित अग्निशमन, प्रदूषण विभाग, पुलिस, ऑयल कंपनियों के पदाधिकारी एवं आवेदक मौजूद रहे।

दरवन झील को पर्यटन स्थल एवं पक्षी विहार के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के अभिनव प्रयास अंतर्गत दरवन झील के सौंदर्यी करण हेतू विस्तृत कार्य योजना बनाने के संबंध में बैठक

संवाददाता

अंबेडकरनगर। माननीय मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जनपद अंबेडकर नगर के दरवन झील को पर्यटन स्थल एवं पक्षी विहार के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अविनाश सिंह के अभिनव प्रयास से मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की उपस्थिति में तहसील अकबरपुर के अंतर्गत दरवन झील के सौंदर्यीकरण हेतु दरवन झील में ही विस्तृत कार्ययोजना बनाने के संबंध में बैठक आयोजित किया गया ।बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा एनटीपीसी से बाढ़ निर्माण के बारे में चर्चा, कृषि विभाग से फसल की उपज के बारे चर्चा, झीलों की साफसफाई के बारे में चर्चा, गेस्ट हाउस, बंधे का निर्माण तथा साथ ही साथ अन्य बिंदुओं पर चर्चा किया गया। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि छोटे-छोटे तालाबों को बंध बना करके मछली पालन किया जा रहा है ।उसे बड़े झील के रूप में विकसित कर मछली पालन किए जाने के कार्य योजना बना कर मछली पालन करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा दरवन झील का निरीक्षण भी किया गया। यह दरवन झील उत्तर प्रदेश में अम्बेडकर नगर जिले की अकबरपुर तहसील में स्थित एक झील है ।अकबरपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत 300 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में फैली दरवन झील मुख्य रूप से ग्राम पंचायत दरवान, हठपाकर और चांदपुर जलालपुर क्षेत्र में फैली हुई है। यह एक प्राकृतिक झील है ।यह झील विभिन्न क्षेत्रों से पानी एकत्र करने के साथ साथ आसपास ग्रामों के लिए सिंचाई का मुख्य स्रोत भी है। इसके अतिरिक्त सर्दियों के मौसम में इस झील में बड़ी संख्या में दुर्लभ प्रजाति के प्रवासी पक्षी आते हैं जो यहाँ की प्रमुख विशेषता है। साइबेरियन पक्षियों

के साथ ही अन्य विदेशी पक्षी भी यहाँ देखे जा सकते हैं। इस प्रकार यह झील पशु-पक्षियों के संरक्षण की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। अयोध्या से इसकी दूरी लगभग 30 किलोमीटर है।अयोध्या अंबेडकर नगर मुख्य मार्ग से लगभग दरवन झील की दूरी 2 किलोमीटर है ।अयोध्या में श्री राम मंदिर बनने के उपरांत निकट भविष्य में यहां पर भारी संख्या में पर्यटकों के आने की असीम संभावना है ।बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा लोगों से अपील किया गया कि झील की साफ सफाई में सहयोग करें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पक्षियों को संरक्षण देने के लिए आसपास के ग्राम वासियों से अपील किया गया कि सर्दियों के मौसम में प्रवासी पक्षी आते हैं पक्षियों को संरक्षण दिया जाए। बैठक के दौरान मौके पर उप जिलाधिकारी अकबरपुर सौरभ शुक्ला, खण्ड विकास अधिकारी कटेहरी अनुपम सिंह तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

खुशी फाउंडेशन ने गरीबों को बांटा कम्बल

संवाददाता

बहराइच। खुशी फाउन्डेशन के तत्वावधान में ग्राम पंचायत पारा परसरामपुर के दाताराम पुरवा गांव में जरूरतमंद लोगों को निशुल्क कंबल वितरण किया। प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद मुकीद व प्रदेश मंत्री आजम अली बकाई के निर्देश पर जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि जरूरतमंद लोगों में लोगों को कंबल वितरण किया गया। यह कार्य संस्था के सभी पदाधिकारियों के सहयोग से किया जा रहा है। गरीबों की मदद में हाथ बंटाने वाले पदाधिकारियों का संगठन सदैव ऋणी रहेगा। मुख्य अतिथि खुशी फाउंडेशन की संस्थापिका व प्रबंधक शाजिया खान ने कहा कि कंबल वितरण कार्यक्रम लगातार फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा है। संस्था गरीबों को निशुल्क कम्बल वितरण कर रही है। संस्था के पदाधिकारी जरूरतमंद लोगों को ठण्ड से बचने के लिए कम्बल का वितरण करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारी संस्था का सौभाग्य है कि ऐसे शुभ और नेक कार्य संस्था के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को करने का मौका मिल रहा है। कार्यक्रम में जरवलरोड की महिला बीट अधिकारी एवं उपनिरीक्षक के पहुंचने पर फाउन्डेशन के लोगों ने स्वागत किया। महिला पुलिस अधिकारी ने ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकार के बारे में जानकारी दिया। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार वर्मा, प्रदेश प्रभारी नसीफ अहमद, प्रदेश सचिव अब्दुल कलाम, जिला अध्यक्ष बहराइच मोहम्मद आरिफ शाह, जिला प्रभारी लखनऊ राज रानी वर्मा, जिला उपाध्यक्ष लखनऊ अलाउद्दीन खान, जिला प्रभारी बहराइच वकील अहमद, आदिल अंसारी लखनऊ, मोहम्मद कासिम, अबू सहमा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पल्स पोलियो अभियान के तहत बारह हजार बच्चों को पिलाया

संवाददाता

उरई। रामपुरा, जालौन। पल्स पोलियो अभियान के तहत विकासखंड रामपुरा में बारह हजार बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाया गया। विकासखंड रामपुरा की 44 ग्राम पंचायतों में एक साथ पोलियो की दवा पिलाए जाने के अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा व शिक्षा विभाग के सहयोग से 298 कर्मचारियों की सहायता से बारह हजार बच्चों को एक साथ पोलियो की दवा पिलाई गई । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रदीप सिंह नोडल अधिकारी एवं ब्लाक कार्यक्रम अधिकारी शिवकुमार सिंह ने बताया कि सरकार के इस कार्यक्रम को फ्लीभूत करने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन मे संपूर्ण रामपुरा ब्लाक क्षेत्र को चार सेक्टर में बांटकर 99 बूथ बनाई गए थे जिसमें 11 सुपरवाइजर एवं 298 कर्मचारियों की सहायता से 17500 बच्चों के सापेक्ष 12 हजार बच्चों को पल्स पोलियो ड्राप पिलाया गया शेष साढे पांच हजार बच्चों को ड्रॉप पिलाने के लिए 39 टीम में बनाई गई है जो लगातार 5 दिन घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को ड्रॉप पिलाने का काम करेंगी, इसके बावजूद भी यदि कुछ बच्चे दवा पीने से वंचित रह जाते हैं तो विशेष अभियान के तहत आगामी सोमवार को ड्रॉप पिलाने का काम किया जाएगा । इस कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ प्रदीप सिंह नोडल , शिवकुमार सिंह ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक , जसवीर सिंह एवं सुशील गुप्ता व मीरा विश्वकर्मा एलएचएम कोल्ड चौन हैंडलर एवं चिकित्सकीय विभाग के कर्मचारी व शिक्षकों का योगदान रहा।

डीएम ने कलीनगर में गौशाला का निरीक्षण कर बच्चों को पिलाई पोलियो ड्राप, बिजली व्यवस्था भी परखी

संवाददाता, पीलीभीत। डीएम संजय कुमार सिंह ने आज तहसील कलीनगर की गौशाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने निराश्रित गौवंशों हेतु भूसा, पीने योग्य पानी, हरा चारा, साफ-सफाई व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में 197 में निराश्रित गौवंशों को आश्रित किया गया है। जिलाधिकारी ने गोवंशों की नियमित देखरेख हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने गौवंशों के ईयर टैगिंग व कृत्रिम गर्भाधान के सम्बन्ध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि पशु चिकित्सक द्वारा नियमित गोवंशों की देखभाल की जा रही है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने भूसे की उपलब्धता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की।

अमौना मंदिर में हवन यज्ञ और भंडारे के साथ हुआ श्रीमद् भागवत कथा का समापन

संवाददाता, अयोध्या। दिसंबर शास्त्री नगर स्थित अमौना मंदिर में महंत श्री अमित दास जी महाराज द्वारा नौ दिवसीय श्री मद भागवत महा पुराण ज्ञानयज्ञ कथा का आयोजन किया गया। कथा व्यास श्री महंत अमित दास जी महाराज द्वारा भक्तों को श्री मद भागवत कथा रस का पान कर कर कृतार्थ किया। श्री राम विवाह के पुनीत अवसर पर यह आयोजन 6 दिसंबर को समाप्त हुआ। इस पुनीत अवसर पर 7दिसंबर को मंदिर में संत, महंतो, भक्तों का भंडारा संपादित हुआ। भंडारे में संत, महंतो, भक्तों ने अमृतमई भोजन प्रसाद ग्रहण किया। महंत श्री अमित दास जी द्वारा सभी समागत संत महंतो अतिथियों को दक्षिणा भेंट विदाई प्रदान कर सम्मानित किया गया।

श्री मद भागवत कथा सुनने से होती है मुक्ति, मधुसूदनाचार्य जी

संवाददाता, चरखारी महोबा। गुमान बिहारी मंदिर रायनपुर चरखारी में चल रही श्री मद भागवत कथा के पांचवें दिन महराज श्री अनंत विभूषित रामानुजाचार्य स्वामी श्री मधुसूदनाचार्य जी महराज ने बताया कि श्री मद भागवत कथा सुनने मात्र से प्राणी की मुक्ति के द्वार खुल जाते है इसलिए जो भी मनुष्य श्री मद भागवत कथा सुनने आता है उसे शांत होकर पूरे मन से कथा का श्रवण करना चाहिए पांचवे दिन की कथा में उन्होंने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया जिसमें पूतना वध के बारे में बताया कि पूतना एक बहुत ही विशाल राक्षसी थी जिसने ब्रज में रहने वाले लोगों का जीना दुश्वार कर दिया था इसलिए पूतना का वध भगवान श्री कृष्ण ने किया एवं गोवर्धन पर्वत के बारे में बताया कि एक बार भगवान कृष्ण सहित सभी बाल सखा जंगल में गौ माता को चराने गए थे वहीं पर पानी बरसने लगा तो भगवान कृष्ण ने मेघों से कहा कि शांत हो जाओ जब मेघ शांत नहीं हुए तो उन्होंने गोवर्धन पर्वत को अपनी एक उंगली पर उठा लिया और पूरे बृजवासियों को वर्षा से बचाया।

तहसील कुलपहाड़ ने चरखारी टीम को 20रन से जीता मैत्री मैच

संवाददाता, चरखारी (महोबा)। मिनी स्टेडियम चरखारी में महोबा जनपद प्रशासन क्लब का एक दिवसीय मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया जिसमें कुलपहाड़ तहसील ने चरखारी तहसील क्रिकेट टीम को 20रन से हराकर मैत्री मैच जीता पहले कुलपहाड़ तहसील ने चरखारी तहसील के समक्ष12ओवर में 106रन का लक्ष्य रखा। जिसमें चरखारी टीम 80रन में आल आउट हो गई। कुलपहाड़ क्रिकेट टीम की तरफसे बैंडिग की जिसमें एसडीएम अनुराग प्रसाद 38रन ,लेखपाल अमित के 41रन,आशिष चौधरी के 14 रनों की 8विकेट की मदद से 106रनो का लक्ष्य रखा। चरखारी टीम से एसडीएम डाक्टर प्रदीप कुमार ,स्टेनौ योगेन्द्र रावत 13रन व नायाब तहसीलदार हेमकांत त्रिपाठी ने 14रन मयंक लेखपाल 22रन की मदद 80रन में चरखारी तहसील की पूरी टीम आऊट हो गई।

ठंड से बचाव के लिए गोशाला में हुई पालीथीन की व्यवस्था

संवाददाता, चरखारी (महोबा)। जिला अधिकारी महोबा मृदुल चौधरी के निर्देश पर गोवंश को ठंड से बचाव एवं भूसा चारे की पर्याप्त व्यवस्था हेतु दिए गए निर्देश पर डीडीओध्बीडीओ पंकज कुमार यादव एडीओ पंचायत राकेश त्रिपाठी एडीओ आईएसबी चेतराम वर्मा ने चरखारी ब्लाक क्षेत्र के गौशालाओं का औचक निरीक्षण किया । ग्राम पंचायत प्रधान खलक सिंह ने गोशाला में टीन सेड पालीथीन हरे चारा,चोकर, गुड़ की गोवंश के लिए व्यवस्था की। वही लुहारी, गोरखा,नौसारा बम्हौरी कलां, अकठौहा अस्थौन, बम्हौरी बेलदारन आदि गौशालाओं में गोवंश को ठंड से राहत के लिए गोशाला में टीन सेड, पालीथीन,व खाने के लिए भूसा हरे चारे, पेयजल आदि की व्यवस्था दुरुस्त कराई। इस मौके पर प्रधान भान सिंह, बालकिशन,खलक सिंह, काशी प्रसाद सचिव रमेश गुप्ता, सुहेल नसीम दुरानी,सादाब रजा, सतीश हिमांशु अग्रवाल आदि ने गोशाला का निरिक्षण किया।

उन्नाव में पुलिस टीम पर हमला, दो पुलिसकर्मी घायल, ग्रामीणों ने तोड़ी गाड़ी, मारपीट की सूचना पर पहुंची थी टीम, आरोपी हिरासत में

संवाददाता, उन्नाव। अचलगंज थाना क्षेत्र के पड़रीकला गांव में रविवार को मारपीट की सूचना पर पहुंची पीआरवी पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने न सिर्फपुलिस पर पत्थरबाजी की, बल्कि पुलिस वाहन में भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना में दो पुलिसकर्मियों को चोटें भी आई हैं। रविवार दोपहर पड़रीकला गांव से डायल 112 पर मारपीट की सूचना मिली। कॉलर शिवांश ने बताया कि उसके माता-पिता, रिंकी और रजेपाल के बीच झगड़ा हो रहा है। इस पर पीआरवी 2926 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की। पुलिस के समझाने पर मामला शांत होता दिखा, लेकिन तभी गांव के कल्लू भूरा, माधुरी और राजकुमार ने पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया।

डॉ रामाशीष सिंह को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

शाहजहाँपुर। अटेवा एनएमओपीएस के द्वारा शाहीद उद्यान में पेंशन शहीद स्वर्गीय डॉक्टर रामाशीष सिंह के चित्र पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राकेश कुमार वर्मा ने पेंशन शाहीद डॉव रामाशीष को नमन करते हुए कहा की डॉव रामाशीष ने पुरानी पेंशन बहाली के लिए शहादत दी है उनके बलिदान दिवस पर प्रत्येक शिक्षक एवं कर्मचारी को यह शपथ लेनी होगी कि जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती तब तक वह चौन से नहीं बैठेगा पुरानी पेंशन बहाल कराना ही शहीद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिला कैडर प्रमुख धनपाल सिंह ने कहा कि शिक्षक एवं कर्मचारी अपने बुढ़ापे की लाठी पुरानी पेंशन के हक के लिए लगातार संघर्ष करता रहा है और जब तक पुरानी पेंशन बहाल नहीं हो जाती निरंतर संघर्ष करता रहेगा। शहीद की शहादत बेकार न जाए इसके लिए जरूरी है की पुरानी पेंशन बहाली के लिए सभी शिक्षक एवं कर्मचारी अटेवा का साथ दें। कार्यक्रम में डॉव रमन उपाध्याय, निर्दोष गौतम, के एन पाठक, जिला राजकुमार सिंह, विनोद कुमार कश्यप , प्रिंट मीडिया प्रभारी योगेश कुमार, संजीव गंगवार, अमित यादव, हयात उल्ला, मोहन गंगवार, देवेंद्र गंगवार, नरेश कुमार, प्रशांत आहूजा, रघुनदन प्रसाद, दीप शिखा, सुमन वर्मा, आर्या आदि उपस्थित रहे।

राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज के छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण कर अवध विश्वविद्यालय को देखा

संवाददाता

अंबेडकरनगर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज जाफरगंज का राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय अध्ययन यात्रा के तहत राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या का भ्रमण किया। कक्षा नौ से 12 तक के छात्र छात्राओं ने विश्वविद्यालय के भौतिक, रसायन, कला संकाय, श्री राम शोध पीठ और महामना मदनमोहन मालवीय भवन केन्द्रीय पुस्तकालय का अवलोकन किया।शैक्षिक भ्रमण दल प्रधानाचार्य विवेक पटेल ने रवाना किया। बस के माध्यम से छात्र छात्राओं ने अयोध्या विश्वविद्यालय पहुंच कर देखा। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विश्वविद्यालय के भौतिक, रसायन, कला संकाय, श्री राम शोध पीठ और महामना मदनमोहन मालवीय भवन केन्द्रीय पुस्तकालय का अवलोकन किया।इससे संबंधित विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रयोगात्मक गतिविधियों की जानकारी को प्राप्त किया। कक्षा नौ की नित्या ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से करियर की नई संभावनाएं पता चलती हैं। वहीं कक्षा 12 की अदिति ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों में भ्रमण से हम बालिकाओं में आगे की पढ़ाई जारी रखने के प्रति जागरूकता प्राप्त होती है। अध्ययन यात्रा में सभी के लिए स्वादिष्ट भोजन एवं मिष्ठान का प्रबंध किया गया था। यात्रा प्रभारी सत्यवती देवी एवं पारसनाथ पाल के अलावा विद्यालय की शिक्षिकाओं में नेहा राय, रूबी पांडेय, मनीषा आदि ने संपूर्ण यात्रा के दौरान बच्चों का मार्गदर्शन किया।

किसानों से सस्ती मूंगफली खरीद अब व्यापारी ले रहे एमएसपी का लाभ

चरखारी विधायक के हस्तक्षेप के बाद मण्डी से भागते नजर आए व्यापारियों के ट्रेक्टर

संवाददाता

गौरहरी महोबा। चरखारी तहसील के ग्राम गौरहरी में मूंगफली खरीद केन्द्र में व्यापारियों की मूंगफली खरीदे जाने के आरोप के साथ जिला पंचायत सदस्य मनोज राजपूत ने जमकर हंगामा किया तथा जनप्रतिनिधियों से हो रही खरीद की जांच कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने केन्द्रीय मण्डी में भी व्यापारियो के मूंगफली से लदे खड़े वाहनों को भी व्यापारियों का वाहन बताते हुए खरीद केन्द्रों की मिलीभगत का आरोप लगाया है। किसान की मूंगफली अक्टूबर में तैयार होकर हो गयी और अधिकांश छोटे किसानों ने अक्टूबर में ही मूंगफली की फसल को 4200 से 4500 रूपया के रेट पर बेंच दी। फसल तैयार होने के दो माह बाद सरकार द्वारा मूंगफली की खरीद शुरू की गयी है जिसमें मूंगफली का एमएसपी 6,783 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करते हुए खरीद प्रारम्भ हुई है और व्यापारियों ने खरीद केन्द्रों पर कब्जा जमा लिया है और आरोप है कि मण्डी समितियों से सांठगांठ करते हुए एक से दो माह पूर्व किसानों से ओने पोने दामों में खरीदी फसल को अब व्यापारी एमएसपी पर बेच रहे हैं। गौरहरी स्थित मण्डी में खरीद केन्द्र पर ऐसे ही व्यापारियों के खड़े वाहनों को देख ग्रामीणों के साथ जिला पंचायत सदस्य जिला पंचायत सदस्य मनोज राजपूत ने आपत्ति दर्ज की है तथा अपने आक्रोश को शोसल मीडिया पर प्रसारित करते हुए जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप करने की मांग की है। श्री राजपूत ने मौके पर खड़े वाहनों में व्यापारियों एवं किसानों की फसल को दिखाते हुए कहा कि किसानों की फसल पाखरी' रंग बिरंगी बोरियों' आदि में आता है जबकि व्यापारियों का माल एक ही तरह के काले बोरों और हर बोरे की निर्धारित तौल के साथ आए हैं लेकिन खरीद के लिए जिम्मेदार जानते हुए भी व्यापारियों का सहयोग कर रहे हैं और उनका माल खरीद रहे हैं। शोसल मीडिया पर वायरल वीडियो पर निर्दोष राजपूत ने आरोप लगाया है कि शनिवार को 250 कुन्तल की तौल हुई है जिसमें 750 रूपया प्रति कुन्तल दलाली ली गयी है। हिमेन्द्र रैकवार पनवाड़ी ने लिखा है कि सांसद विधायस कुछ नहीं है अधिकारियों के सामने किसी की सुनवाई नहीं है। प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए चरखारी विधायक डॉ0 बृजभूषण राजपूत ने जैसे ही अधिकारियों की क्लास लगाई वैसे ही व्यापारियों के कान भी खड़े हो और कुछ ही देर में व्यापारियों के ट्रेक्टर मौके से भागते भी देखे गए।

जिले में रेल मंत्री का जोरदार स्वागत

संवाददाता

सिद्धार्थनगर। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री भारत रवनीत सिंह के कर कमलो द्वारा माननी सांसद (लोक सभा) डुमरियागंज, जगदम्बिका पाल, सासद (राज्य सभा) बृजलाल एवं सदस्य विधान सभा, कपिलवस्तु श्यामधनी राही, सदस्य विधानसभा शोहरतगढ़ भी विनय वर्मा सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी तथा अन्य गणमान्य की उपस्थिति में सिद्धार्थनगर-चिल्हिया स्टेशना के मध्य भीमपार सव 58 पर रोड अंडर ब्रिज का शिलान्यास दोपहर 13.30 बजे तथा बढ़नी रेलवे स्टेशन पर स्थित नवनिर्मित कोचिंग डिपो का लोकार्पण दोपहर 15रू00 बजे अनावरण कर किया गया। इस अवसर पर रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र गोदी जी को भारतीय रेलवे मे नई ऊर्जा से पुनर्जीवित कारने और नीति करने के लिए ध्यान केंद्रित करने के लिए श्रेय दिया जाता है। उनके कार्यकाल के परिवर्तनकारी दशक ने भारतीय रेलवे में एक नई ऊर्जा जागृत की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के गतिशील नेतृत्व मे उत्तर प्रदेश मे बढ़ते रेल इफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र मे पिछले एक दशक मे एक बड़ा परिवर्तन आया है। उत्तर प्रदेश में नई लाइनो के निर्माण कार्यो मे तेजी लाने के लिये आवश्यकतानुसार बजट आवंटित किया जा रहा है। संरक्षा के दृष्टिगत ऑटोमेटिक सिंगनलिंग का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। भारतीय रेलवे मे स्तंभ भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत स्टेशनो पर पुनर्विकास का कार्य तेजी से किया जा रहा है। आरओबी ध् आरयूबी का निर्माण कार्य के साथ ही स्टेशनो पर यात्री सुविधाओ एवं यातायात सुविधाओ के विकास एवं विस्तार का कार्य चल रहा है।

उन्नाव एसपी ने दंगाईयों से निपटने के लिए कराया मॉकड्रिल, आंसू गैस के गोले दागे, हैंड ग्रेनेड फेंककर कार्रवाई करने के तरीके का कराया अभ्यास

संवाददाता

उन्नाव। आकस्मिक परिस्थितियों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और समाज में सुरक्षित व भयमुक्त वातावरण की स्थापना के उद्देश्य से रविवार को दंगा नियंत्रण अभ्यास आयोजित की गयी। इस अभ्यास में जिले के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने दंगा नियंत्रण कौशल को परखा और विधिवत प्रशिक्षण लिया। यह अभ्यास पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के नेतृत्व में आयोजित हुआ। जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी अखिलेश सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेमचंद के कुशल पर्यवेक्षण में दंगा नियंत्रण के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अभ्यास स्थल रिजर्व पुलिस लाइन उन्नाव परेड ग्राउंड पर आयोजित हुआ। जहां पुलिस बल ने विभिन्न प्रकार के शास्त्रों और तकनीकों के माध्यम से दंगे और बलवे की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने के तरीकों पर अभ्यास किया। इस अभ्यास में जिले के सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, और प्रतिसार निरीक्षकों ने भाग लिया। अभ्यास के दौरान पुलिस बल ने विधि विरुद्ध भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपकरणों का प्रयोग किया। जिनमें रबर बुलेट गन, लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले, एंटी राइट गन, टियर गैस गन और हैंड ग्रेनेड प्रमुख थे। इन उपकरणों के प्रयोग के दौरान पुलिस अधिकारियों ने यह बताया कि किस प्रकार इनका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए। ताकि स्थिति को काबू में किया जा सके और किसी भी प्रकार की जनहानि से बचा जा सके। अभ्यास में पुलिस अधिकारियों को बताया कि दंगाइयों और बलवाइयों से निपटने के दौरान किस प्रकार एंटी राइट गन, टियर गैस गन, हैंड ग्रेनेड, टियर स्मोक सेल, और नेट का प्रयोग किया जाए। साथ ही इन उपकरणों के इस्तेमाल के समय सुरक्षा सावधानियों पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पुलिस अधिकारियों को बताया गया कि दंगे या बलवे की स्थिति में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का किस प्रकार सही समय और स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है। ताकि स्थिति को नियंत्रण में रखा जा सके। इस अभ्यास में करीब 350 अधिकारी और कर्मचारीगण ने भाग लिया। सभी अधिकारियों ने इस प्रकार के अभ्यास को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। क्योंकि आकस्मिक परिस्थितियों में ऐसे अभ्यास पुलिस बल को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाते हैं। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने इस अभ्यास के समापन के बाद कहा कि इस प्रकार के अभ्यास पुलिस बल की तत्परता को बढ़ाते हैं। पुलिस बल को किसी भी आपातकालीन स्थिति में कुशलता से काम करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की यह कोशिश है कि समाज में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर ने पंचायत भवन का निरीक्षण किया

संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजागपति आर0 द्वारा तहसील डुमरियागंज में ग्राम पंचायत सेमुआडीह के पंचायत भवन का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा पंचायत सहायक से आय-जाति, निवास प्रमाण पत्र बनाने के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि लोगों को निर्धारित शुल्क ही लेकर आय-जाति, निवास प्रमाण पत्र बनायें अधिक पैसा न लिया जाये। शिकायत मिलने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने सचिव से 15वां वित्त से कराये जा रहे कार्यो के बारे जानकारी प्राप्त किया गया। सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि आंगनबाड़ी केन्द्र का मरम्मत कार्य चल रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के मरम्मत का कार्य पूर्ण हो गया है। मनरेगा का कार्य नहीं चल रहा है। जिलाधिकारी ने पंचायत भवन में लाइब्रेरी का संचालन कराने तथा चकमार्ग के कार्य को प्रारम्भ कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार को आरआरसी सेन्टर व अन्नपूर्णा भवन के लिए जमीन चिन्हित करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत सेमुआडीह के सामुदायिक शौचालय को देखा गया। सामुदायिक शौचालय पर टंकी लगी थी। ग्रामीणों द्वारा अवगत कराया गया कि सामुदायिक शौचालय समय से खुलता है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सामुदायिक शौचालय की नियमित साफसफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाये, अधिक से अधिक लोग इसका प्रयोग करें। ग्राम पंचायत सेमुआडीह में उचित दर राशन की दुकान का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा स्टाक व रजिस्टर का मिलान किया गया। सब ठीक पाया गया। जिलाधिकारी ने कोटेदार को निर्देश दिया कि लोगों को निर्धारित मात्रा में पूरा राशन वितरण किया जाये। कहीं किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। जिलाधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय सेमुआडीह, डुमरियागंज का निरीक्षण किया गया। विद्यालय में टाइल्स लगा पाया गया। जिलाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत हल्लौर में निर्माणाधीन मिनी स्टेडियम में चेंजिंग रूम, दर्शक दीर्घा, ओपन जिम निर्माण कार्य निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण व समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार डुमरियागंज, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान आदि उपस्थित थे।

सम्पादकीय

अरावली की बलि

उस खबर ने हर संवेदनशील और जागरूक व्यक्ति को उद्वेलित किया है कि हरियाणा के नूंह के पास 22 अरब रुपये कीमत के पहाड़ को खनन माफिया चट कर गया। निस्संदेह, यह परेशान करने वाला घटनाक्रम नूंह जिले में राजस्थान सीमा पर स्थित पहाड़ से जुड़ा है, जो अरावली पर्वतमाला का हिस्सा है। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित क्षेत्र में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम तंत्र की काहिली व सत्ताधीशों की गैरजिम्मेदारी से पनपा है। खनन विभाग की रिपोर्ट बताती है कि उपमंडल फिरोजपुर झिरका के कुछ इलाकों में खनन माफिया ने इस कृत्य को अंजाम दिया। कैसी विडंबना है कि गैर कानूनी तरीके से धन अर्जित करने की दबंगों की लिप्सा हमारे पर्यावरण व लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करती। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम यह भी है कि अवैध खनन माफिया से टक्कर लेने वाले कई अधिकारियों को तबादले के रूप में खमियाजा भी भुगतना पड़ा है। नागरिक संगठनों की उदासीनता भी उन खनन माफियाओं का हौसला बढ़ाती है, जो सत्ता के गलियारों में खासा रसूख रखते हैं। निश्चित रूप से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन में निर्णायक भूमिका निभाने वाली इन पहाड़ियों को आज पुनर्जीवित करने की जरूरत है। पर्यावरण पुनर्स्थापना हेतु भूमिक्षरण और मरुस्थलीकरण से निबटने के लिये बाकायदा केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में ग्यारह लाख मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए, इस चौदह सौ किलोमीटर लंबे और पांच किलोमीटर चौड़े हरित गलियारे को बनाने का लक्ष्य है कि अरावली पहाड़ियों की पारिस्थितिकीय जीवन शक्ति को फिर से बहाल किया जा सके। एक समय था कि ये पहाड़ियां जंगल, वन्य जीवों, जलचरों और प्राकृतिक जल निकासी के जरिये एक समृद्ध पारिस्थितिकीय तंत्र बनाती थी। लेकिन दुर्भाग्य से अब अरावली पर्वत शृंखला देश की सबसे खराब स्थितियों के लिये जानी जाती है। इस दिशा में सत्ताधीशों की उदासीनता और नियामक संस्थाओं की लापरवाही से हरियाणा में यह स्थिति खासी शोचनीय है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि अरावली पर्वत शृंखला की तीस से अधिक पहाड़ियां पहले ही लुप्तप्राय हो चुकी हैं। खासकर हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मेवात, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी जिलों से लगते इलाकों में। निरंतर होते शहरों के विस्तार ने हरे-भरे परिदृश्यों को कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया है। जिसके चलते पूरे इलाके का पारिस्थितिकीय संतुलन बाधित हुआ है। सदियों में विकसित हुई वन संपदा व जीव-जंतुओं के अधिवास अब विलुप्त होने के कगार पर हैं। निस्संदेह, इस कथित विकास की कीमत हमें लंबे समय तक चुकानी होगी। जिसके अंतर्गत स्वदेशी वृक्षों की अनेक महत्वपूर्ण किस्में व दुर्लभ वन्य जीवों की प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर जा पहुंची हैं। साथ ही अनेक महत्वपूर्ण भूजल पुनर्भरण क्षेत्र सूख गए हैं। उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब की हरित पहल से प्रेरित होकर ही ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट को इस विनाशकारी अतिक्रमण को रोकने के लिये लाया गया था। स्वदेशी वन संपदा को सामुदायिक जुड़ाव के जरिये संरक्षित करने की योजना थी। इसके अंतर्गत 35000 हेक्टेयर बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना भी मकसद था। निस्संदेह, इस पर्यावरणीय संकट से निबटने के लिये पर्वत शृंखला के निकटवर्ती राज्यों में सहयोगात्मक प्रयास जरूरी हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक भी वनीकरण, जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण जैसी पहलों के लिये वित्त पोषण करके अरावली परियोजना को संबल दे रहा है। लेकिन यह भी हकीकत है कि इस परियोजना की सफलता इस बात पर निर्भर कती है कि हम अवैध खनन और अतिक्रमण रोकने के लिये संरक्षण कानूनों को कितनी सख्ती से लागू करते हैं। जिसमें भूमि संरक्षण अधिनियम जैसे कानूनी सुरक्षा उपायों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण होगा। साथ ही सदियों में विकसित हुए पारिस्थितिकीय खजाने की रक्षा के लिये विभिन्न राजनीतिक दलों को तमाम मतभेदों व कृत्रिम विभाजन को दरकिनार करके आगे आना होगा।

जानिए मोर पंख का महत्व एवं चमत्कारिक लाभ

ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री (चित्रकूटधाम)

ज्योतिष में मोरपंख को सभी नौ ग्रहों का प्रतिनिधि माना गया है, विशेष तौर पर मोरपंख के कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें किसी शुभ मुहूर्त में करने से सभी समस्याओं से तुरंत छुटकारा मिल जाता है। श्रीकृष्ण का श्रृंगार मोर पंख के बिना अधूरा ही लगता है। वे अपने मुकुट में मोर पंख भी विशेष रूप से धारण करते हैं। मोर पंख का संबंध केवल श्रीकृष्ण से नहीं, बल्कि अन्य देवी-देवताओं से भी है। शास्त्रों के अनुसार मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। प्राचीन काल में एक मोर के माध्यम से देवताओं ने संध्या नाम के असुर का वध किया था। पक्षी शास्त्र में मोर और गरुड़ के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। आइये जानते हैं मोर पंख आपके जीवन को किस तरह सुख- समृद्धि से भर देता है- मोर का शत्रु सर्प है. अतरू ज्योतिष में जिन लोगों को राहू की स्थिति शुभ नहीं हो उन्हें मोर पंख सदैव अपने साथ रखना चाहिए। आयुर्वेद में मोर पंख से तपेदिक, दमा, लकवा, नजला और बांझपन जैसे दुसाध्य रोगों में सफलता पूर्वक चिकित्सा बताई गई है। जीवन में मोर पंख से कई तरह के संकट दूर किये जा सकते हैं. अचानक कष्ट या विपत्ति आने पर घर अथवा शयनकक्ष के अग्नि कोण में मोर पंख लगाना चाहिए. थोड़े ही समय में सकारात्मक असर होगा।

धन-वैभव में वृद्धि की कामना से निवेदन पूर्वक नित्य पूजित मन्दिर में श्रीराधा-कृष्ण के मुकुट में मोर पंख की स्थापना करकेध्करवाकर 40वें दिन उस मोर पंख को लाकर अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें. धन-संपत्ति में वृद्धि होना प्रारम्भ हो जायेगी। सभी प्रकार के रुके हुए कार्य भी इस प्रयोग से बन जाते हैं। जिन लोगों की कुण्डली में राहू-केतु कालसर्प योग का निर्माण कर रहे हों उन्हें अपने तकिये के खोल में 7 मोर पंख सोमवार की रात्रि में डालकर उस तकिये का उपयोग करना चाहिए साथ ही शयनकक्ष की पश्चिम दिशा की दीवार पर मोर पंखों का पंखा जिसमें कम से कम 11 मोर पंख लगे हों लगा देना चाहिए।

इससे कुण्डली में अच्छे ग्रह अपनी शुभ प्रभाव देने लगेंगे और राहू-केतु का अशुभत्व कम हो जायेगा।

अगर बच्चा जिद्दी होता जा रहा हो तो उसे नित्य मोर पंखों से बने पंखे से हवा करनी चाहिए या अपने सीलिंग फैन पर ही मोर पंख पंखुड़ियों पर चिपका देना चाहिए। नवजात शिशु के सिरहाने चांदी के तावीज में एक मोर पंख भरकर रखने शिशु को डर नहीं लगेगा नजर इत्यादि का डर भी नहीं रहेगा। कोई शत्रु ज्यादा तंग कर रहा हो मोर के पंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से मंगलवार या शनिवार रात्रि में उस शत्रु का नाम लिखकर के अपने घर के मन्दिर में रात भर रखें। प्रातकाल उठकर बिना नहाये-धोये बहते पानी में बहा देने से शत्रु-शत्रुता छोड़कर मित्रवत् व्यवहार करने लगता है. इस तरह मोर पंख से हम अपने जीवन के अमंगलों को हटाकर मंगलमय स्थिति को ला सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र, वास्तुशास्त्र, वैदिक अनुष्ठान व समस्त धार्मिक कार्यो के लिए संपर्क करें

श्री रामकृष्ण ज्योतिष केन्द्र श्रीरामकृष्णज्योतिष अनुष्ठान केन्द्र संपर्क सूत्र - 7389695052, 8085152180

लोकतंत्र बचाना है तो ईवीएम प्रणाली को हटाना होगा

जगदीश रज़नानी

महाराष्ट्र में कुछ दिन पहले हुए विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर भारी असंतोष है। इन नतीजों के प्रति नाराजगी व्यक्त करने के लिए आंदोलन किया जा रहा है। दरअसल चुनाव को चुनौती देने के बनिस्बत उसके खिलाफ चल रहा आंदोलन ज्यादा महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी एनसीपी के गठबंधन में शामिल भाजपा को भारी बहुमत मिला है। यह सच है कि चुनावी आंकड़ों का खेल चलाना और मैदान में जनता का मूड पढ़ने वाले लोगों, मतलब दोनों के लिए चुनावी मिजाज को भांपना एक जटिल काम है, इसके बावजूद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव इस बार एक विशेष चुनौती पेश करता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि मतदाताओं का मूड हाल ही में संपन्न 2024 के विधानसभा चुनावों के आए परिणामों से बहुत अलग था और रहेगा। इस तर्क में दम है कि मतदाताओं का मूड उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए एक समझने योग्य और अपेक्षित सहानुभूति वोट के पक्ष में स्पष्ट, दृश्यमान और दृढ़ता से झुका हुआ था जिनकी सरकार को भाजपा को चुनौती देने, उससे अलग होने का साहस करने और कर दिखाने की चुनौती देने के बाद गिरा दिया गया था। नई दिल्ली की सल्तनत के खिलाफ इस लड़ाई में महाराष्ट्रीयन गौरव की कहानी के सभी पहलू थे जिससे तनाव पैदा हुआ और जिसके नतीजे सामान्य तौर पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेतृत्व वाले गठबंधन के पक्ष में जाते। ऐसा इसलिए है क्योंकि सत्ता के इस खेल में शिवसेना का शिंदे गुट पीठ में छुरा घोंपने वाला था। उधर भाजपा के साथ सत्ता में शामिल होने की चाह में एनसीपी के अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार को धोखा दिया

था। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के पास यह तर्क देने के लिए पर्याप्त सामग्री है कि जिस तरीके से ठाकरे सरकार को तोड़ा गया, विधायकों को भाजपा शासित राज्यों-गुजरात और असम में छिपाने के साथ जिस तरह से ठाकरे-शिवसेना के चुनाव चिन्ह को छीना गया और जिस ढंग से शरद पवार के व्यापक प्रभाव को कम करने की कोशिश की गई, वह सब लोगों को पसंद नहीं आया। उनकी राय में बड़े धन बल, बहुप्रचारित अभियान निष्पादन या आरएसएस के जमीनी समर्थन के बाद भी शिंदे-अजित सहित इनमें से किसी को, और विशेष रूप से भाजपा को आम तौर पर कोई वोट नहीं मिलेगा। वास्तव में भाजपा की ओर झुकाव रखने वालों को भी यह समझाने में मुश्किल हो रही है कि ठाकरे और पवार को तोड़ने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत सही थी या गलत। सहानुभूति रखने वालों के पास एक सीमित तर्क यह है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्रवाई की कथित धमकी के कारण शिंदे या अजित पवार को रैंक तोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय को अब व्यापक रूप से भाजपा के लिए काम करने वाले संगठन के रूप में देखा जाता है। भाजपा के लिए यह केवल नकारात्मकता बटोरता है।महाराष्ट्र में लोग यह अच्छी तरह से जानते हैं कि तख्तापलट का मास्टरमाइंड कौन था तथा अभियान की अगुवाई नई दिल्ली के शीर्ष भाजपा नेतृत्व द्वारा की गयी थी। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि भाजपा नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे के बीच अत्यधिक कड़वाहट थी क्योंकि ठाकरे ने भाजपा से अलग होने तथा कांग्रेस के साथ टीम बनाने का फैसला किया था। यह एक स्वीकृत तथ्य है कि भाजपा उन्हें सबक सिखाने के लिए संकल्पित थी। इस खटास में भाजपा नेतृत्व के गुजरात संबंधों को सीधे तौर पर देखा गया है इसलिए महाराष्ट्र-गुजरात विभाजन स्पष्ट था जो शिवसेना के अभियान के महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक बन गया। इसके अलावा शिवसेना के अभियान में गुजरात स्थित गौतम अडानी समूह का मुद्दा भी शामिल हो गया। अडानी समूह मुंबई में रियल एस्टेट परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है और उसने मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी के पुनर्विकास के लिए एक विवादास्पद मेगा-अनुबंध हासिल किया है। यह समूह मुंबई हवाईअड्डा भी चलाता है। यह कहानी एक गहन भावना से भरी है लेकिन विधानसभा के परिणाम इस भावना के विपरीत गए हैं- भाजपा-शिवसेना (शिंदे)-एनसीपी (अजित पवार) गठबंधन ने 288 सीटों में से कुल 230 सीटें जीतीं, जिनमें अकेले भाजपा की 132 सीटें हैं। जीत इतनी जबरदस्त है कि इस बार महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष का कोई नेता नहीं होगा। जून 2024 को हुए लोकसभा चुनावों में शिवसेना का वोट शेयर 16.72 प्रतिशत था जो अभी घटकर 9.96 फीसदी हो गया। यह भारी गिरावट है जिसके बारे में लोगों को समझाना बहुत आसान नहीं है। चुनावी नतीजों के विरोध में वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता (95) बाबा आढाव द्वारा की गई भूख हड़ताल ईवीएम के दुरुपयोग के आरोपों को नया बल देती है। इसमें महाराष्ट्र चुनाव में धन बल के भारी उपयोग की बात तो शामिल भी नहीं की गई है। आढाव पुणे में महात्मा ज्योतिबा फुले के घर फुलेवाडा पर धरने पर बैठे। उनका धरना यह संकेत देता है कि यह आंदोलन बाहुबल-धन के खुल्लमखुल्ला इस्तेमाल के खिलाफ सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन है व इसमें जमीनी हकीकत के विपरीत परिणाम देने के लिए मशीन की अगुवाई में हेर-फेर का अतिरिक्त आरोप भी शामिल है। मतदान करने वाले लोगों की संख्या में भारी वृद्धि के बारे में उठाए गए सवालों पर चुनाव आयोग से कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात भी की। आधिकारिक रिकॉर्ड में मतदान के दिन शाम 5 बजे तक मतदान का प्रतिशत 58.22 से बढ़कर उसी रात 11.30 बजे 65.02 फीसदी हो गया और मतगणना के दिन 66.05 प्रतिशत हो गया। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि मतदान के बदलते प्रतिशत ने चुनाव आयोग की छवि को धूमिल किया है और यह कि ईवीएम प्रणाली के तहत चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर संदेह और गहरा रहा है। यह भारत में लोकतांत्रिक प्रणालियों, प्रक्रियाओं एवं परंपराओं के लिए झटका है। यह भारत के लोकतंत्र की जगमगाती छवि को मंद करने वाला नजर आ रहा है। यह दर्शाता है कि हमने पिछले 75 वर्षों में अपनी लोकतांत्रिक प्रणालियों को मजबूत नहीं बल्कि कमजोर किया है। हम एक ऐसे चरण में हैं कि ईवीएम के खतरों के कारण उससे होने वाले लाभ के दावे अप्रासंगिक हो गए हैं। यह समय मशीनों को त्यागने और पूरी तरह से भौतिक, बैलेट पेपर प्रणाली पर लौटने तथा मतपत्रों को डालने, उन्हें एक-एक करके गिनने की आजमाई और परखी हुई कागज व रबर स्टैंप वाली प्रक्रिया को अपनाने का है। मतदान की आसानी या परिणामों की गति यदि हमें तेजी से गलत जगह पर ले जाती है तो हमें इससे कुछ भी हासिल नहीं होता जैसा कि वास्तव में प्रतीत होता है। भारत को बचाने के लिए अब हमें ईवीएम प्रणाली को लाना होगा।

सुरक्षित पटरियां और स्मार्ट ट्रेनें : भविष्य में और भी सुरक्षित यात्राएं

अनिल कुमार खंडेलवाल

बीते दशक में की गई सुविचारित पहलों के महत्वपूर्ण परिणाम सामने आने की बदौलत रेलगाड़ियों पर अब भारतीय पहले से कहीं अधिक सुरक्षित हैं। यह बात विशेष रूप से सराहनीय इसलिए भी है, क्योंकि कोई भी अन्य देश प्रतिवर्ष 1 लाख करोड़ यात्री किलोमीटर (पीकेएम) और लगभग 685 करोड़ रिकॉर्ड यात्रियों का रेल के माध्यम से आवागमन कराने वाले भारत से ज्यादा लोगों का रेल के जरिए आवागमन नहीं कराता है। यह उपलब्धि बेमिसाल है, यहां तक कि पड़ोसी देश चीन भी अपने विशाल रेल नेटवर्क और तुलनात्मक जनसंख्या आकार के बावजूद मुश्किल से आधे यात्रियों (सालाना लगभग 300 करोड़) का ही आवागमन कराता है। सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधारदृ गंभीर घटनाओं की पहचान के प्रमुख संकेतक - महत्वपूर्ण रेल दुर्घटनाओं की संख्या में भारी गिरावट से जाहिर है, जिनकी संख्या वर्ष 2000-01 में 473 से घटकर वर्ष 2023-24 में केवल 40 रह गई । यह सुधार पटरियों को बेहतर बनाने, मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने, पुलों की स्थिति की नियमित निगरानी करने और स्टेशनों को डिजिटल बनाने आदि की दिशा में किए गए केंद्रित प्रयासों के माध्यम से संभव हुआ है। यात्रियों की संख्या और पटरियों की लंबाई पर गौर करने पर ये उपलब्धियां और भी प्रभावशाली हो जाती हैं। किसी भी औसत दिन, 2 करोड़ से ज्यादा लोग 70,000 रूट किलोमीटर (आरकेएम) लंबे नेटवर्क पर यात्रा करते हैं। पीक सीजन में यह संख्या प्रतिदिन 3 करोड़ तक पहुंच जाती है, जो एक अन्य विश्व रिकॉर्ड है! असल में इसका आशय यह है कि भारत प्रतिदिन अपनी लगभग 2 प्रतिशत आबादी का सुरक्षित तरीके से रेलवे के माध्यम से आवागमन कराता है, जबकि इसकी तुलना में चीन केवल 0.58 प्रतिशत और अमेरिका 0.09 प्रतिशत लोगों का ट्रेन के जरिए आवागमन कराता है। लगभग त्रुटिहीन सुरक्षा रिकॉर्ड के बावजूद, रेल दुर्घटनाएं दुनिया भर में एक गंभीर वास्तविकता हैं। यद्यपि किसी भी रेल प्रणाली के लिए आदर्श स्थिति शुरुआत से ही एक भी दुर्घटना घटित नहीं

होने देना है, लेकिन कोई भी प्रमुख नेटवर्क इस स्थिति को हासिल नहीं कर पाया है। भारतीय रेल (आईआर) नेटवर्क के मात्र एक चौथाई हिस्से जितने ऑस्ट्रेलियाई रेलवे में वित्तीय वर्ष 2022-23 में रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने की 52 घटनाएं दर्ज की गईं। इसी तरह, भारतीय रेल से लगभग दोगुना आकार के 2,60,000 ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) वाले अमेरीकी रेल नेटवर्क में उसी वर्ष रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने की 1,300 घटनाएं दर्ज की गईं। 2,00,000 टीकेएम वाले यूरोपीय संघ नेटवर्क (भारतीय रेल का 1.5 गुना) में 2022 में 1568 दुर्घटनाएं घटित हुईं।

अपने समकक्षों के समान, भारतीय रेल में भी वर्ष 2022-23 के दौरान रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने की घटनाएं दर्ज की गईं, लेकिन ये घटनाएं काफी कम 137 के स्तर पर रहीं। ये संख्या विकसित देशों की तुलना में भारतीय रेल के शानदार सुरक्षा प्रदर्शन का प्रमाण हैं और ऐसा उसके कई वर्षों से इष्टतम स्तर से कम पूंजीगत व्यय, लालफीताशाही, राजनीतिकरण और भ्रष्टाचार के कारण सुस्त हालत रहने के बावजूद संभव हुआ है। लेकिन पिछले कई दशकों में फैली गड़बड़ियों की गंदगी को अच्छे प्रशासन के एक या दो कार्यकालों में धोया नहीं जा सकता। यद्यपि आईआर मिश्रित यातायात मॉडल का उपयोग करता है, विदेशों में कई रेलवे माल और सवारी रेलगाड़ियों के लिए अलग-अलग ट्रैक का उपयोग करते हैं। इसका मतलब है कि भारत में प्रत्येक दुर्घटना के लिए रेलवे यात्री सुरक्षा के गंभीर रूप से खतरे में पड़ने की संभावना बहुत अधिक है। दुर्घटनाओं के मूल कारण को तुरंत दूर करना और रेलगाड़ी के पटरी से उतरने से मुक्त रेलवे नेटवर्क प्राप्त करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए मानवीय इंटरफेस को कम करने और प्रणालीगत विश्वसनीयता में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी पहल की आवश्यकता होगी। यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए वर्ष 2023-24 के दौरान सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं में 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया गया है और चालू वित्त वर्ष में और भी ज्यादा खर्च करने की योजना है। इसका आशय ट्रेनों, पुलों, पटरियों और सिग्नलिंग सिस्टम के बेहतर रखरखाव के साथ-साथ ओवर- और अंडर-ब्रिज के निर्माण के जरिए पटरियों के पास बेहतर सड़क सुरक्षा की व्यवस्था है । रेलवे सुरक्षा प्रदर्शन के एक सूचकांक -प्रति मिलियन ट्रेन किलोमीटर दुर्घटना (एपीएमटीके) की संख्या वर्ष 2000-01 में 0.65 से घटकर 2023-24 में 0.03 हो गई है। यह आधुनिक, अत्याधुनिक ट्रैक रखरखाव और नवीनीकरण मशीनों का उपयोग करके बेहतर ट्रैक रखरखाव किए जाने का सराहनीय परिणाम है। इसके अलावा पटरी की त्रुटि का पता लगाने में सुधार, रेल वेल्ड संबंधी खराबियों पर अंकुश और मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए उन्नत तकनीक सहित कई अतिरिक्त उपाय भी किए गए हैं। इन परिणामों को बनाए रखने और बेहतर बनाने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप और लक्षित प्रशिक्षण का मिश्रण अपनाया गया है। पटरियों के रखरखाव के लिए आधुनिक मशीनों की तैनाती 2013-14 के दौरान 700 से बढ़कर इस साल 1,667 कर दी गई है, जिससे पटरियों के रखरखाव में सुधार हुआ है। संपत्ति की विश्वसनीयता को और बढ़ाने के लिए पूरे नेटवर्क में रेल ग्राइंडिंग भी लागू की गई है। रेल परिचालन के लिए गंभीर सुरक्षा जोखिम उत्पन्न करने वाली शरारती गतिविधियों को रोकने और तोड़फोड़, पटरियों से छेड़छाड़, तथा पटरियों पर असंबद्ध वस्तुएं रखने जैसी समस्याओं से निपटने के लिए अब पटरियों पर निरंतर गश्त की जाती है। सुरक्षा पहल का एक मुख्य आधार लोको पायलटों को खराब दृश्यता वाले कोहरे से घिरे क्षेत्रों में नेविगेट करने में सहायता देने के लिए जीपीएस-आधारित फॉग पास डिवाइस की संख्या बढ़ाना है। वर्ष 2014-15 में केवल 90 जीपीएस-आधारित फॉग पास डिवाइस की तुलना में अब इनकी संख्या 21,742 हो चुकी है। पायलट की सतर्कता बढ़ाने वाले सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी) सभी इंजनों में लगाए गए हैं। वर्ष 2013-14 में इनकी संख्या 10,000 से भी कम थी, जो आज बढ़कर 16,021 हो गई है। ब्रॉड-गेज मार्गों पर 6,637 स्टेशनों में से 99 प्रतिशत से अधिक पर पैनल इंटरलॉकिंग, रूट रिले इंटरलॉकिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग जैसी उन्नत सिग्नलिंग प्रणालियां प्रदान की गई हैं। इसके अलावा, ड्राइविंग कौशल और रिएक्शन टाइम को संवर्धित करने के लिए लोको-पायलट अब सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण (सिमुलेटिंग फील्ड एक्सपीरिएंस) से गुजरते हैं, जबकि फ्रंट लाइन स्टाफ को अग्निशमन का प्रशिक्षण मिलता है। कुल मिलाकर, वर्ष 2023-24 के दौरान 6 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों ने विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण, प्रारंभिक, प्रमोशनल, रिफ्रेशर और विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किए। मानव सुरक्षा के अलावा, भारतीय रेल द्वारा वर्ष 2024-25 में पटरियों के किनारे 6,433 किलोमीटर (किमी) बाड़ लगाकर वन्यजीव और पशुधन की सुरक्षा पर भी ध्यान दिया जा रहा है। अगस्त 2024 तक इनमें से 1,396 किलोमीटर पर काम पूरा हो चुका है, जिससे इन मार्गों पर मवेशियों के टकराने की घटनाओं में कमी आएगी। इन उपायों के पूरक के रूप में, अधिक सुरक्षित लिंके-हॉफमैन-बुश (एलएचबी) कोचों का भी रुख किया गया है, जिनमें दुर्घटना के समय सवार को सुरक्षित रखने की बेहतर विशेषताएं मौजूद हैं। इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि टक्कर होने पर ये कोच दूसरे कोचों पर नहीं चढ़ते, जिसकी बदौलत रेलगाड़ी के पटरी से उतरने और यात्रियों को चोट लगने की आशंका कम हो जाती है। एलएचबी कोच 160 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति पर सुरक्षित परिचालन के लिए बनाए गए हैं। वर्ष 2023-24 में 4,977 एलएचबी कोचों के निर्माण के साथ उनके उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2013-14 में उत्पादित 2,467 से दोगुना से भी अधिक हैं। हालांकि ये कदम सराहनीय हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि यात्रा को सुरक्षित बनाने के उसके प्रयासों में कोई कमी न आने पाए। भारतीय रेल पहले से ही परिवहन का सबसे सुरक्षित साधन है, लेकिन भविष्य में यह और भी सुरक्षित हो जाएगी।

अडानी के बचाव में बीजेपी ने सारे घोड़े खोल दिए हैं

रविंद्र पटवाल

यह एक ऐसा मुद्दा बनता जा रहा है, जिस पर देश में एक ऐसी जंग छिड़ गई है, जिसका कोई ओर-छोर नजर नहीं आ रहा। भारतीय मीडिया और संसद के भीतर सरकार के रुख को देखकर तो सहसा यही यकीन होता है कि हिंडनबर्ग के खुलासे की तरह इस बार भी मोदी सरकार अडानी समूह को संकट से बाहर निकालने में कामयाब होने जा रही है। लेकिन तस्वीर का यह सिर्फ एक पहलू है, जिसे देशी सरजमीं पर जमकर स्पिन दिया जा रहा है, लेकिन हकीकत तो यह है कि दुनिया भर में अडानी के कथित भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खूब चर्चा हो रही है, जिसका सीधा संबंध भविष्य में विदेशी निवेश से जुड़ा हुआ है। इस बार जब अमेरिकी अदालत की ओर से अडानी समूह के मालिक गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी सहित 8 लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप निर्धारित करने की बात आई, जिसमें अमेरकी गुप्तचर एजेंसी एफबीआई पहले ही सागर अडानी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी थी और उनके लैपटॉप और फोन से महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त कर चुकी है, तो उस मामले पर भारत में चर्चा से मोदी सरकार आखिर कहाँ तक बच सकती है। इस खुलासे के चार दिन बाद बीजेपी के एक प्रवक्ता की ओर से बयान जारी कर बताया गया था कि बीजेपी और सरकार अडानी के बचाव में नहीं आने वाली है और उन्हें अपने बचाव में खुद जो करना है, उसके लिए वे स्वतंत्र हैं। उसी शाम से अडानी समूह की ओर से आधिकारिक बयान, और अगले दिन सुबह देश के दो बड़े वकीलों के बयानों को बड़े पैमाने पर जारी कर सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट में हजारों करोड़ रुपये की कथित घूस मामले को खारिज किया गया और पूर्व सोलिसिटर जनरल मुकुल रोहतगी के बयानों को सुर्खियों में लाकर अडानी के शेयरों में जो 30: तक की गिरावट आ चुकी थी, उसमें वापस तेजी का दौर शुरू करने में यह मेहनत रंग लाने लगी। लेकिन इसके साथ ही संसद का शीतकालीन सत्र भी शुरू होना था। संसद में यदि अडानी पर अमेरिकी अदालत के समन पर सरकार चर्चा के लिए राजी हो जाती, तो संभवतः अडानी समूह एक बार फिर से चर्चा में आ जाता। बहुत संभव है कि जिन तथ्यों के खुलासे की वजह से अडानी समूह के शेयर 4 दिन में 30: तक घट गये थे, संसद में चर्चा और सनसनी से ये बातें आम लोगों तक पहुंच सकती थी। यही नहीं, अडानी समूह और पीएम नरेंद्र मोदी की दोस्ती और विदेशी ठेकों में अडानी को कॉन्ट्रैक्ट मुहैय्या कराने में प्रधानमंत्री की भूमिका को लेकर विपक्ष एक ऐसा नैरेटिव बनाने में कामयाब रहता, जो बीजेपी के भविष्य पर कालिख पोत सकता था। इसी को मद्देनजर रखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र का पहला हफ्ता अडानी के मुद्दे को उठाने के साथ ही रोज स्थगित होता गया। भारतीय संसदीय इतिहास में यह शायद पहला अवसर होगा, जब विपक्ष हंगामा करे, उससे पहले ही दोनों सदन के सभापति अडानी नाम का उच्चारण सुनते ही सदन की कार्रवाई को स्थगित कर देने के लिए तत्पर दिखे। ऐसा जान पड़ता है कि जैसे उन्हें स्पष्ट आदेश हो कि इस नाम को किसी भी हाल में संसद के भीतर उच्चारित करने की अनुमति नहीं देनी है। और यहीं से पता चलता है कि बीजेपी की कथनी और करनी में कितना अंतर है। भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल का यह बयान, ष्अडानी को अपने बचाव में खुद पहल करनी होगी, भाजपा उनके बचाव में आगे नहीं आएगीष, दो दिन भी नहीं टिक पाया। संसद को पूरे सप्ताह भर सिर्फ अडानी के मुद्दे पर न चलने देने की पहल कर भाजपा और एनडीए सरकार किसे बेवकूफ बना रही है? लेकिन बीजेपी यहीं तक सीमित रहती, तो गनीमत थी। जब उसने देखा कि विपक्ष संसद में गतिरोध को देखते हुए संसद के बाहर श्अडानी-मोदी एक हैंश् के पोस्टर अपनी पीठ पर चिपकाकर इस मुद्दे को हवा दे रही है, तो उसकी ओर से जवाबी रणनीति में जो नैरेटिव गढ़ा गया है, वह बेहद हैरान करने वाला है, जिसके निहितार्थ और परिणाम दोनों काफी घातक हो सकते हैं। एक तरफ तो भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा के द्वारा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उच्च कोटि का गद्दार करार दिया जा रहा है, जो बताता है कि अडानी मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष के अड़ियल रुख से भाजपा किस कदर बौखलाई हुई है। दूसरा उससे भी हैरतअंगेज है भाजपा की ओर से अडानी के बचाव में एक काउंटर-नैरेटिव को गढ़ने में, जिसमें उसकी ओर से दावा किया गया है कि यह सब अमेरिकी स्टेट और डीप स्टेट, ओसीसीआरपी (संगठित अपराध एवं भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट), राहुल गांधी का किया-धरा है। साधारण शब्दों में कहें तो, भारत की तरक्की से नाखुश अमेरिकी डीप स्टेट (बीजेपी के हिसाब से जॉर्ज सोरोस और) के द्वारा संगठित अपराध एवं भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट को फंडिंग की जाती है, जो अडानी को बदनाम करने के लिए खबरें गढ़ता है, जिसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के द्वारा हाथों-हाथ लिया जाता है, और अडानी पर हमला कर असल में विपक्ष पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ मुहिम चलाकर देश को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा बन रहा है। इस संबंध में बीजेपी की ओर से एक ट्वीट की श्रृंखला तैयार की गई है, जिसमें संगठित अपराध एवं भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट की खबरों की कटिंग लगाकर समझाने का प्रयास किया गया है कि कैसे इसकी खबरों को कांग्रेस नेतृत्व के द्वारा हाथोंहाथ लेकर असल में अमेरिकी डीप स्टेट के हाथों खेलने का काम किया जा रहा है। बीजेपी की ओर से जारी ओपनिंग रिमार्क में ही लिखा है कि पिछले चार वर्षों के दौरान कांग्रेस पार्टी ने जिन भी मुद्दों पर भाजपा को घेरने की कोशिश की है, वे सभी विदेशों से उत्पन्न होने वाले नैरेटिव और सहायक सामग्री के आधार पर तैयार किये गये हैं। उदाहरण के लिए पेगासस, अडानी, जाति जनगणना, 'डेमोक्रेसी इन डेंजर', ग्लोबल हंगर इंडेक्स, धार्मिक स्वतंत्रता और प्रेस स्वतंत्रता जैसे मुद्दे -- सभी अंतरराष्ट्रीय स्त्रोतों से बड़े पैमाने पर आकर्षित होते हैं। भाजपा की ओर से इस डीप स्टेट को अमेरिका से जुड़ा बताया गया है, जिसका स्पष्ट लक्ष्य प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाकर भारत को अस्थिर करना बताया गया है। उसके अनुसार, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए डीप स्टेट के द्वारा संगठित अपराध एवं भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट की ओर रुख किया गया और पीएम मोदी और भारत की छवि को खराब करने के लिए इस संगठन को सामग्री तैयार करने के निर्देश दिए गये। कांग्रेस ने तब इस सामग्री का इस्तेमाल पीएम मोदी पर हमला करने, झूठे नैरेटिव का प्रचार करने और संसद की कार्यवाही को बाधित करने में इस्तेमाल किया। इसके बाद पंचलाइन में बीजेपी का कहना है कि अमेरिकी डीप स्टेट इस दौरान हमेशा पर्दे के पीछे से काम कर रहा था। ट्वीट की इस लंबी श्रृंखला के अंत में भाजपा ने निष्कर्ष के तौर पर लिखा है, डीप स्टेट एक बुरी बला है जिसने विनाश के अलावा कुछ नहीं लाया है। इस ट्वीट में बाकायदा डायग्राम बनाकर समझाया गया है कि कैसे ये पूरा चक्र काम करता है। हैरानी की बात यह है कि डीप स्टेट और अमेरिकी सरकार को एक साथ दिखाया गया है, जो बताता है कि भाजपा का मीडिया प्रभाग काउंटर नैरेटिव की रौ में काफी आगे बढ़ चुका है। मजे की बात यह है कि इस पूरे ट्वीट में एक भी बार अमेरिकी ग्रैंड जूरी के द्वारा अडानी समूह के द्वारा पांच भारतीय राज्यों के अधिकारियों और सरकारों को घूस देने की पेशकश के खिलाफ समन का जिक्र तक नहीं किया गया है। बता दें कि अमेरिकी अदालत में अडानी समूह के मालिकान को इस समन के जवाब में या तो अपनी ओर से सफाई पेश करनी होगी या फिर अपराध कुबूल कर भारी पेनाल्टी चुकता करनी होगी। इन दोनों ही सूरत में भले ही अडानी का नाम भाजपा देश में

एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

संवाददाता

गोरखपुर। एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, गोरखपुर में चल रहे दो दिवसीय 37वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन 09 दिसम्बर, 2024 को हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस खेलकूद प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्रों ने स्कीपिंग, लम्बी कूद एवं रिले रेस में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। खेलकूद प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सूरज सिंह रावत ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन से छात्रों में अनुशासन का संचार होता है। वार्षिक खेलकूद प्रतियोंगिता के कनिष्ठ बालक वर्ग के 400 मीटर रेस में ब्लू हाउस के राज निषाद ने प्रथम, अभिषेक ने द्वितीय एवं प्रियांशु ने तृतीय स्थान तथा बालिका वर्ग में अंजली, दीक्षा एवं तृशा ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार वरिष्ठ बालक वर्ग के 400 मीटर रेस में रोशन कुमार ने प्रथम, पीयूष ने द्वितीय एवं मोहम्मद अयान ने तृतीय स्थान तथा बालिका वर्ग में नंदनी चौधरी, प्राची कन्नौजिया एवं तंजिला फतिमा ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। डिस्कस थ्रो में कनिष्ठ बालक वर्ग में आदर्श, अभय कुमार गुप्ता एवं सुशांत मल्ल तथा कनिष्ठ बालिका वर्ग में परी निषाद, पीहू त्रिपाठी एवं तृशा यादव ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो के वरिष्ठ बालक वर्ग में आयुष चौधरी ने प्रथम, मोहम्मद अयान ने द्वितीय एवं पीयूष कुमार ने तृतीय स्थान तथा बालिका वर्ग में सुधा भारती, निकिता यादव एवं शांभवी ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्ड्री स्कूल, जटेपुर रेलवे कालोनी, गोरखपुर में दो दिवसीय 37वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ 09 दिसम्बर, 2024 को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अध्यक्ष, रेलवे भर्ती सेल, गोरखपुर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एन.ई. रेलवे हायर सेकेण्ड्री स्कूल, गोरखपुर श्री राजेश कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली एवं प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि

सही दिशा में प्रयास करने से सफलता मिलती है। श्री गुप्ता ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बीर जी श्रीवास्तव एवं शिक्षक, अभिभावक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

निष्पक्ष एवं सावधानी पूर्ण मतगणना संपन्न कराए, शिकायत मिलने पर होगी कठोर कार्यवाही- सीडीओ

नगरीय निकाय के उप निर्वाचन के लिये मतगणना अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता

प्रतापगढ़। नगरीय निकाय उप निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बेल्हा के अध्यक्ष पद की मतगणना दिनांक 19 दिसंबर 2024 को जनपद में पवित्रता, शांतिपूर्ण, सुचिता पूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन के कुशल निर्देशन में विकास भवन सभागार में मतगणना अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण संपन्न हुआ जिसमें सुपर मास्टर ट्रेनर प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज रामपुर कांपा डॉ विंध्याचल सिंह, उप प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कालेज डॉ मो0 अनीस एवं एआरपी धर्मेंद्र कुमार ओझा और नसीमुद्दीन द्वारा मतगणना की महत्वपूर्ण प्रक्रिया के बारे मे बारी की से विस्तार पूर्वक पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तथा मत पेटिका को खोलने और तथा सील खोलने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारीध्प्रभारी अधिकारी कार्मिक डा0 दिव्या मिश्रा ने मतगणना अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता, संदिग्धता, संलिप्तता की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी इसके लिए अधिकारी एवं कार्मिक स्वयं उत्तरदायी होंगे। मतगणना प्रशिक्षण को पूरे मनोयोग

से प्राप्त करें। मतगणना संबंधित सम्पूर्ण प्रक्रिया जान ले एवं अपनी शंकाओं का समाधान मास्टर ट्रेनर से जरूर प्राप्त कर ले और उनसे उनका मोबाइल नंबर प्राप्त कर ले, इस उप निर्वाचन की मतगणना को पारदर्शिता ,पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। निर्वाचन आयोग के बताए गए दिशा निर्देशों का पालन पूरी तरह से करना है। मोबाइल फोन मतगणना स्थल पर पूर्णतया प्रतिबंधित है। एजेंट मोबाइल फोन मतगणना स्थल पर नहीं ले जाएंगे। अपर जिलाधिकारीध्उप निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने कहा कि एक टेबल की एक टीम में एक मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायक और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी होगा। मतगणना प्रात: 8:00 बजे से कराई जाएगी, सभी मतगणना कार्मिक प्रात: 6:00 बजे मतगणना स्थल पर पहुंच जाएंगे। मतगणना स्थल पर समय से पहुंचकर डिकोड कराकर मतगणना टेबल पर पहुंचेंगे।

राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय नरायनपुर के छात्रों का खेलकूद में बेहतर प्रदर्शन के लिये किया गया स्वागत

संवाददाता

प्रतापगढ़। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में दिनांक 01 दिसम्बर से 03 दिसम्बर 2024 तक किया गया जिसमें प्रयागराज मण्डल जोन-3 द्वारा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय नरायनपुर के 04 छात्रों वीरू पाण्डेय, अमन यादव, विशाल सरोज व शनि सरोज का चयन वालीबाल प्रतियोगिता में एवं 01 छात्र अरसद अली का चयन कबड्डी प्रतियोगिता के लिये किया गया था, छात्रों ने कठिन परिश्रम कर प्रदेश में (वालीबाल एवं कबड्डी खेल) उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। छात्रों के विद्यालय वापस लौटने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया तथा छात्रों का मार्ल्यापण व मिष्ठान खिलाकर स्वागत किया। उन्होने छात्रों को प्रदेश में विद्यालय को अग्रेत्तर अग्रिम पंक्ति में लाने के लिये प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के व्यायाम शिक्षक पुष्पेन्द्र कुमार सिंह सहित राम बहादुर, प्रशान्त मिश्रा, शशांक शेखर सिंह, जय मंगल सिंह, दिप्ती सिंह एवं प्रियंका सिंह आदि उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के जन्मदिन पर वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सदस्य व जिला पंचायत सदस्य एडवोकेट वीरेंद्र यादव के संयोजन में हुआ रक्तदान

संवाददाता

रायबरेली । समर्पण, त्याग, बलिदान और विषम परिस्थितियों में अदम्य साहस की परिचायक यूपीए चेयरपर्सन और जिले की लोकप्रिय सांसद रही सोनिया गांधी के जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता वीरेंद्र यादव के नेतृत्व मे रक्तदान शिविर का आयोजन करके सामाजिक सद्भावना दिवस के रूप में भव्यता से कार्यक्रम मनाया । रक्तदान शिविर अखिल भारतीय कमेटी कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सदस्य व जिला पंचायत सदस्य एडवोकेट वीरेंद्र यादव द्वारा आयोजित कराया गया । सामाजिक सद्भावना दिवस पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शत्रुघ्न सोनकर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और रायबरेली के प्रभारी फिरोज खान, पूर्व जिलाध्यक्ष वीके शुक्ला उपस्थित रहे । कार्यक्रम में जिलेभर के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और जनप्रिय राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु होने की कामना की । इस दौरान पुष्पेंद्र यादव, सुधांशु मौर्य, अभिषेक, लल्ला मौर्य, जितेंद्र पासी, विनोद चौधरी, प्रशांत कुमार, क्षेत्र पंचायत सदस्य अखिलेश यादव, शिवा, शिवचरित्र मौर्य, शैलेश कुमार, शिवाकांत तिवारी, लालागोपाल यादव, सुल्तान खान, बृजेश कुमार, रवि कुमार सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे ।

कुशीनगर में सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर पुलिस चेकिंग अभियान में वाहनों के चलाने के नियम सिखाया

संवाददाता

कुशीनगर । उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले की पुलिस ने शीत ऋतु ,कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं की सम्भावनाओं के दृष्टिगत सड़क के किनारे एन0एच0-28/28बी, अन्य प्रमुख मार्गो व होटल, ढाबों,पेट्रोल पम्पों के आस-पास अव्यवस्थित खड़े वाहनों को सुरक्षित स्थान पर व्यवस्थित करने व दो पहिया वाहनों पर बिना हेलमेट पहने व्यक्तियों के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में क्षेत्राधिकारी सदर अभिषेक प्रताप अजेय के नेतृत्व में सर्किल सदर के समस्त थानों द्वारा कुल 45 अव्यवस्थित रुप से खड़े वाहनों को व्यवस्थित रुप से पार्क कराया गया तथा बिना हैलमेट दो पहिया वाहन चलाने व अन्य के सम्बन्ध में कुल 13 वाहनों से कुल 12,500/- रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। क्षेत्राधिकारी कसया कुन्दन कुमार सिंह के नेतृत्व में सर्किल कसया के समस्त थानों द्वारा कुल 44 अव्यवस्थित रुप से खड़े वाहनों को व्यवस्थित रुप से पार्क कराया

गया तथा बिना हैलमेट दो पहिया वाहन चलाने व अन्य के सम्बन्ध में कुल 13 वाहनों से कुल 13,000/- रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज अमित सक्सेना के नेतृत्व में सर्किल तमकुहीराज के समस्त थानों द्वारा कुल 49 अव्यवस्थित रुप से खड़े वाहनों को व्यवस्थित रुप से पार्क कराया गया तथा बिना हैलमेट दो पहिया वाहन चलाने व अन्य के सम्बन्ध में कुल 26 वाहनों से कुल 28,500/- रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। क्षेत्राधिकारी खड्डा उमेश चन्द्र भट्ट के नेतृत्व में सर्किल खड्डा के समस्त थानों द्वारा कुल 11 अव्यवस्थित रुप से खड़े वाहनों को व्यवस्थित रुप से पार्क कराया गया तथा बिना हैलमेट दो पहिया वाहन चलाने व अन्य के सम्बन्ध में कुल 12 वाहनों से कुल 12,500/- शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। इस प्रकार जनपद कुशीनगर में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को जनपद के यातायात पुलिस व समस्त थानों द्वारा कुल 149 अव्यवस्थित रुप से खड़े वाहनों को व्यवस्थित रुप से पार्क कराया गया तथा बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वाले व अन्य के सम्बन्ध में कुल 64 वाहनों का चालन कर कुल 66,500/- रुपये का शमन शुल्क अधिरोपित किया गया।

कुशीनगर में बच्चों के आधार नहीं बनने के कारण 13,500 बच्चे सरकारी योजनाओं से बंचित

संवाददाता, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए जरूरी इंतजाम किए गए हैं। लेकिनए बीआरसी में किट होने के बावजूद बच्चों का आधार नहीं बन पा रहा है। जिम्मेदार अधिकारी भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। आधार नहीं होने समेत अन्य गड़बड़ियों के चलते 13,500 बच्चे इस योजना के लाभ से वंचित हैं। जिले में 2464 परिषदीय विद्यालय संचालित होते हैं। इसमें 2.53 लाख छात्र-छात्राएं नामांकित हैं। अप्रैल में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हुई थी।

आठ महीने बीतने के बावजूद करीब 7500 बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है। करीब छह हजार बच्चों के अभिभावकों का खाता आधार से लिंक नहीं है। इन बच्चों को डीबीटी के तहत जूते.मोजे, यूनिफार्म व स्टेशनरी के लिए 1200 रुपये नहीं भेजे गए हैं। यद्यपि जिले के विद्यालयों में नामांकित 2.13 लाख बच्चों के अभिभावकों के खाते में डीबीटी की धनराशि भेज दी गई है। 7934 विद्यार्थियों का प्रपत्र जिला स्तर से सत्यापित कर उच्चाधिकारियों को भेज दिया गया है। अभिभावकों का कहना है कि प्रत्येक ब्लॉक संसाधन केंद्र पर बच्चों के लिए आधार किट है। लेकिन आधार बनाने के लिए तैनात किए गए कर्मचारी उदासीन हैं। इससे आधार बनाने में देरी हो रही है। डीसी सामुदायिक उपेंद्र गुप्ता ने बताया कि 2.13 लाख बच्चों के अभिभावकों के खाते में डीबीटी की धनराशि भेज दी गई है। 7,934 विद्यार्थियों का प्रपत्र जिला स्तर से सत्यापित हो गया है।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति संतोषजनक न होने पर डीएम ने जतायी नाराजगी, एक सप्ताह में सुधार न होने पर दंडित होगें जिम्मेदार अधिकारी

संवाददाता

बहराइच। जनपद में एग्रीस्टैक (डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर एग्रीकल्चर) के अन्तर्गत पीएम-किसान के लाभार्थियों सहित जनपद के समस्त भूमिधर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने सम्बंधी कार्यो की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने संतोष जनक प्रगति न पाये जाने पर राजस्व विभाग के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए एक सप्ताह के अन्दर अपेक्षित सुधार लाये जाने के निर्देश दिये। बैठक में जिले के समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व लेखपाल तथा राजस्व निरीक्षकों द्वारा फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने में रूचि न लेने के कारण अत्यन्त कम प्रगति पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उप कृषि

निदेशक टी.पी. शाही ने जिलाधिकारी को बताया कि फार्मर रजिस्ट्री एप में कतिपय तकनीकी कमियों के कारण कुछ किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। डीएम ने कहा कि जिन किसानों के डाटा में मिसमैप होने के कारण फार्मर रजिस्ट्री नहीं तैयार हो रही है ऐसे किसानों का विवरण पोर्टल पर सही कराने का प्रयास किया जाय तथा जिन किसानों का डाटा सही है उन्हें शत प्रतिशत समय सीमा के अन्दर आच्छादित किया जाय। डीएम मोनिका रानी ने उपस्थित राजस्व लेखपाल तथा कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि 31 दिसम्बर 2024 तक शत प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करें। अन्यथा सबका उत्तरदायित्व निर्धारित कर प्रशासनिक कार्यवाही की जायेगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि फार्मर रजिस्ट्री योजना की गूगल सीट तैयार कर एक-एक कार्मिकों के प्रगति की समीक्षा करें जो कार्मिक अपेक्षित प्रगति नहीं करता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर अवगत कराये। डीएम ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गौरव रंजन श्रीवास्तव को निर्देश दिया कि सप्ताह में कम से कम दो दिन मंगलवार एवं शुक्रवार को सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों तथा राजस्व निरीक्षकोंध्राजस्व लेखपालों के साथ समीक्षा बैठक करें। प्रगति कम पाये जाने पर उप जिलाधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही का प्रस्ताव प्रस्तावित करें। किसी भी दशा में निर्धारित समय सीमा के अन्दर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार उप निदेशक कृषि श्री शाही को निर्देश दिया कि कृषि विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों के साथ सप्ताह में दो दिवस मंगलवार का शुक्रवार को गूगल मीट के माध्यम से बैठक आयोजित कर समीक्षा करें। कार्य संतोषजनक न करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही कर अवगत कराये।

बंदरो के हमले में छत से गिरा बच्चा गंभीर रूप से हुआ घायल

संवाददाता, राजा का रामपुर। कस्बा राजा का रामपुर के मोहल्ला कायस्थान निवासी दिलीप का बेटा अनिकेत उम्र 8 बर्ष अपनी छत पर खेल रहा था छत पर धूप में खेल रहे अनिकेत पर बंदरो ने हमला कर दिया बंदरो के हमले से बचने के लिये अनिकेत अपनी छत से भगा बंदरो के झुंड ने छत पर खेल रहे बच्चे पर हमला कर दिया बंदरो के हमले से छत पर खेल रहा बच्चा छत से नीचे जमीन पर गिर गया नीचे गिरने से अनिकेत के सर मे गहरी चोट आई है आनन फानन मे दिलीप अपने पुत्र को स्थानीय चिकित्सक के यहाँ ले गये स्थानीय चिकित्सक ने बच्चे की हालत को नाजुक देखते हुये किसी अन्य जगह दिखाने को कहा बच्चे की हालत नाजुक देख परिजन उसे फर्रुखाबाद ले गए बताते चले राजा का रामपुर में बंदरों द्वारा किया जाने बाला ये पहला हमला नही है सैकड़ो की तादाद में बंदर बच्चो,नवजवान, एवम बुजुर्गों व महिलाओं पर हमला कर चुके है और ऐसे हमलो में कई महिला पुरुषों की जान भी जा चुकी है लेकिन इन बंदरो से निजात दिलाने हेतु स्थानीय प्रशाशन या वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नही उठाया जा रहा है ।

थाना खैरीघाट पुलिस द्वारा धारा 420/406/409/120बी भा.द.वि. से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संवाददाता, बहराइच। पुलिस अधीक्षक महोदय वृन्दा शुक्ला द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में, अपर पुलिस अधीक्षक महोदय ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी महोदय महसी धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में थानाध्यक्ष थाना खैरीघाट संजय कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 09.12.2024 को मु0अ0सं0 646/24 धारा 420/406/409/120बी भा0द0वि0 में 01 नफर अभियुक्त को थाना खैरीघाट पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के आदेशों निर्देशो का पालन करते हुये गिरफ्तार शुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया गया। गिरफ्तारी की सूचना अभियुक्त के परिजन को जरिये उचित माध्यम दी गयी।

गंजडुण्डवारा पुलिस ने एक अभियुक्त को तमंचा सहित किया गिरफ्तार

संवाददाता, गंजडुण्डवारा। दिन सोमवार को गंजडुंवारा पुलिस ने अभियुक्त मोहित वर्मा पुत्र महेश वर्मा निवासी ग्राम नगला उम्मेद थाना गंजडुण्डवारा जनपद कासगंज नगला उम्मेद के रास्ते से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमन्चा व दो जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुऐ हैं अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना गंजडुण्डवारा पर मु0अ0सं0 355/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है गिरफ्तार अभियुक्त का नाम मोहित वर्मा पुत्र महेश वर्मा निवासी ग्राम नगला उम्मेद थाना गंजडुण्डवारा जनपद कासगंज। गिरफ्तार करने बाली पुलिस टीमश्री विनोद कुमार प्र0नि0 थाना गंजडुण्डवारा जनपद कासगंज मय टीम।

दिल्ली रोड पर लगी भीषण आग, पत्तल-दोना फैक्ट्री जलकर खाक, दमकल की टीमें जुटीं

संवाददाता, जयपुर। दिल्ली रोड पर सोमवार को एक पत्तल-दोना बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयानक थी कि आसमान में धुएं का गुबार छा गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कीं।आग लगने का कारण अज्ञात फैक्ट्री में आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। गनीमत रही कि घटना के समय फैक्ट्री में कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।दमकल कर्मियों की चुनौती आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। फैक्ट्री में कच्चा माल और अन्य ज्वलनशील पदार्थों की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैल गई, जिससे बुझाने में समय लग रहा है। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। आसपास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

पटना देवकली शिव मंदिर स्थित एथेनॉल फैक्ट्री बदायूं फर्रुखाबाद एफएम हाईवे पर खुले में प्रवाहित किया जा रहा दूषित पानी, लोगों में रोष

संवाददाता, कलान, शाहजहांपुर। रंजीत सिंह राजपूत यूपी के शाहजहांपुर में बदायूं-फर्रुखाबाद एफएम हाईवे पटना देवकली स्थित आगरा की वाईटीटी एथेनॉल फैक्ट्री से दूषित पानी पंप के द्वारा बाहर बहाया जाता है। जब इस संबंध में दैनिक भास्कर की बात कलान उपजिलाधिकारी चित्रा निर्वाल से हुई तो उन्होंने बताया खेतों में ल्ज्ज् फैक्ट्री से दूषित पानी छोड़े जाने की अभी किसानो की तरफसे कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलते ही उचित कार्रवाई की जाएगी ।

दोस्त के खातों में ऑनलाइन सट्टे के पैसे का किया लेनदेन, एक गिरफ्तार

संवाददाता, फर्रुखाबाद। दोस्त के खाते खुलवाकर उसमे ऑन लाइन सट्टा के पैसे का लेनदेन करनें के एक आरोपी को पुलिस नें गिरफ्तार किया है कोतवाली फ्तेहगढ़ के मोहल्ला केशव नगर नेकपुर चौरासी निवासी कमलेश पाठक के पुत्र श्रेयांश पाठक नें बीते 5 दिसंबर को थाना कादरी गेट में मुकदमा दर्ज करायाद्य जिसमे कहा था कि वह जून 2023 से कोटा राजस्थान में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहें हैंद्य बीते 7 जून को राजस्थान से अपने घर नेकपुर चौरासी आयाद्य श्रेयांश ने मुकदमें में कहा कि उसके दोस्त मोहल्ले के ही अभिषेक उर्फविनय पुत्र समर पाल ने अपने दोस्त रोहन पाल से मुलाकात करायी द्य दोनों नें कहा कि वह दोनों एक जनसेवा केंद्र खोलना चाहते है जिसके लिए बैंक एकाउंट की जरूरत हैद्य उन्होंने श्रेयांश से अपने नाम पर दो बैंक एकाउंट खोलने को कहाद्य जिससे श्रेयांश पाठक नें दो बैक एकाउंट केनरा बैंक आवास विकास, आईडीबीआई शाखा ठंडी सड़क में बैंक एकाउंट खोल दिया।

सेमरहना में आयोजित शिविर में 6660 से अधिक लोगों का हुआ संतृप्तिकरण

संवाददाता, बहराइच। जन कल्याणकारी योजनाओं से जिले के प्रत्येक पात्र ग्रामवासी को संतृप्त किये जाने तथा जनसमस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी की अभिनव पहल पर संचालित किये जा रहे सेवा से संतृप्तिकरण अभियान के द्वितीय चरण अन्तर्गत शनिवार को विकास खण्ड मिहींपुरवा अन्तर्गत ग्राम पंचायत सेमरहना में आयोजित सेवा से संतृप्तिकरण अभियान के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासियों का संतृप्तिकरण किया गया। शिविर के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 558 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधि का वितरण, 126 मरीजों को ई-संजीवनी के माध्यम से टेली मेडिसिन, 76 लोंगो को आयुष्मान कार्ड, आर.बी.एस.के.ध्आर.के.एस.के. टीम द्वारा 115 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, 120 लोंगो का नेत्र परीक्षण कर चश्मा वितरण, 114 लोंगो को परिवार नियोजन संसाधनों का वितरण, गैर संक्रामक रोगों के लिए 406 के स्वास्थ्य की जांच, 83 लोंगो की पैथालोजी जांच, वीएचएसएनडी सत्र अन्तर्गत 16 की जाचं, 123 लोगों की आभा आई.डी. बनायी गयी तथा किशोरध्किशोरी कार्यक्रम अन्तर्गत 240 किशोरियों को सेनेटरी पैड व आयरन फेलिक एसिड का वितरण किया गया। शिविर के दौरान पुलिस विभाग द्वारा पिंक बूथ के माध्यम से 252 महिलाओं को जागरूक किया गया, राजस्व विभाग द्वारा निर्विवाद वरासत के 05, आईजीआरएस के 01, धारा-24 के 07, आय के 17, जाति के 08 व निवास के 10, फार्मर रजिस्ट्री के 06 आवेदन-पत्रों का निस्तारण किया गया।

सर्दियों में बर्तन धोने से कतराता है दिल?

इन ट्रिक्स से चुटकियों में करें साफ

सर्दी के मौसम में लोग पानी से जुड़े कम ही काम करना पसंद करते हैं, क्योंकि पानी ठंडा होता है और हाथ में बर्फजैसे ठंडे हो जाते हैं। लेकिन बर्तन धोना एक ऐसा काम है जो हर महिला को मजबूरी में करना ही होता है। न चाहते हुए बर्तन साफकरने के लिए ठंडे पानी में हाथ डालना ही पड़ता है। हालांकि अगर सर्दियों में आपका बर्तन धोने का मन बिल्कुल ही करता है और कोई आसान ट्रिक की तलाश में हैं तो ये स्टोरी आपके लिए है...

ग्लव्स का करें इस्तेमाल

सर्दियों में साफबर्तन को धोने के लिए ग्लव्स का इस्तेमाल करना एक बहुत अच्छा ऑप्शन है। इससे आपको ठंड भी कम लगती है और आपके हाथों की सॉफ्टनेस भी बनी रहती है। ऐसे में बर्तन धोने से पहले हाथों में ग्लव्स पहन लें। साथ में सिंक में ढेर सारे बर्तन इक्ट्ठा करने के बजाए थोड़े- थोड़े बर्तनों को धोते रहें।

गर्म पानी से धोएं बर्तन

सर्दियों में बर्तनों को चुटकियों में चमकाने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल बेस्ट होता है। ऐसे में बर्तन धोने से पहले सारे बर्तनों को गर्म पानी में भिगो लें। कुछ समय के

बाद बर्तनों को निकालकर स्पंज से रह करने से बर्तन जल्दी साफहो जाएंगे।

जले बर्तनों को ऐसे करें चुटकियों में क्लीन

सर्दियों में जले बर्तनों को साफ करना काफी मुश्किल काम होता है। ऐसे में नमक की मदद से आप बर्तनों तो आसानी से चमका सकते हैं। इसके लिए स्क्रब पैड पर नमक और डिश वॉश लगाकर बर्तनों को रब करें। इससे जले हुए बर्तन आसानी से साफ हो जाएंगे।

ये है सर्दियों में बर्तन चमकाने का बेस्ट तरीका

1. सर्दियों में सभी तरह के बर्तनों को मिनटों में क्लीन करने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खे ट्राई कर सकते हैं।

2. इसके लिए सिंक की नाली बंद करके बर्तनों को इसमें डालें और सिंक में पानी भर दें।

3. अब इस पानी में 2 चम्मच बेकिंग सोडा, 2 चम्मच सिरका, नींबू का रस और 1 कप हाइड्रोजन पेरोक्साइड मिक्स कर दें।

4. 15 मिनट बाद साफ पानी से धोने पर बर्तन बिल्कुल नए जैसे चमक जाएंगे।

सर्दियों में चाय नहीं पीएं दालचीनी का काढ़ा, मिलेंगे कई सारे फायदे

सर्दियों के मौसम में कई तरह की मौसमी बीमारियों और वायरल फ्लू होने का खतरा रहता है। इस समस्याओं से बचाव के लिए लोग हेल्दी डाइट लेते हैं ताकि इम्यूनिटी स्ट्रांग हो और बीमारी से लड़ने के लिए शरीर में ताकत हो। आप दालचीनी का काढ़ा भी अपनी डाइट में शामिल करें। इस काढ़े को पीने से सर्दी- जुकाम और वायरल जैसी समस्याओं से बचाव होता है। दालचीनी में मौजूद थायमिन, कैल्शियम, नियासिन, विटामिन और पोटेशियम पीने से शरीर अंदर से स्ट्रांग करते हैं। आइए आपको बताते हैं दालचीनी का काढ़ा बनाने पीने के फायदे और इसे बनाने की विधि...

दालचीनी का काढ़ा पीने के फायदे

वेट लॉस

वजन को कंट्रोल करना चाहते हैं तो दालचीनी और अदरक की चाय के काढ़े का सेवन करें। इसमें मौजूद पोषक तत्व वजन को कंट्रोल करने में मददगार हैं।

सर्दी-जुकाम

सर्दी-जुकाम से बचाव के लिए आप दालचीनी और अदरक का काढ़ा पी सकते हैं। इसमें मौजूद एंटी वायरल, एंटी- बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज, सर्दी- जुकाम की समस्या को दूर करने में फायदेमंद होती है।

जॉइंट पेन

सर्दियों में होने वाले जोड़ों में दर्द और सूजन की समस्या से बचाव के लिए आप दालचीनी और अदरक का काढ़ा पी सकते हैं। इस चाय में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, यहां सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

ऐसे बनाएं दालचीनी का काढ़ा

सामग्री

दालचीनी- 1 चम्मच
अदरक- आधा कटा हुआ
तुलसी के पत्ते- 3-4
काली मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
मुनक्का- 1 से 2
लौंग- 3-4
हल्दी पाउडर- आधा चम्मच

दालचीनी का काढ़ा बनाने का तरीका

इस काढ़े को बनाने के लिए एक पैन में पानी डालें और उसमें अदरक, दालचीनी, तुलसी का पत्ता, काली मिर्च पाउडर, लौंग, मुनक्का और हेल्दी पाउडर डालें। इसके बाद इस पानी को कम से कम 15- 20 मिनट के लिए उबलने के लिए छोड़ दें। उबल जाने के बाद इस पानी को छान लें और हल्का ठंडा होने दें। स्वाद के लिए शहद मिला लें। तैयार है आपका दालचीनी का काढ़ा। इसे आप सुबह को चाय की जगह पीएं।

चेहरे पर रेगुलर घी लगाने से जवां, ग्लोइंग और मुलायम रहेगी स्किन, जानिए कैसे करें अप्लाई

वैसे तो घी खाने के फायदे हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि घी हमारी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। आपको बता दें कि घी में वॉटर कंटेंट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। घी को त्वचा पर लगाने से हमारी त्वचा हाइड्रेटेड रहती हैं और त्वचा को भरपूर पोषण मिलता है। रात में फेस पर घी अप्लाई करने से त्वचा संबंधी कई गंभीर समस्याओं में फायदा मिलता है। फेस पर घी अप्लाई करने से रिंकल्स और फाइन लाइन्स की समस्याएं कम होती हैं और चेहरे का ग्लो भी बढ़ता है। हांलाकि त्वचा पर घी लगाने के अपने फायदे होते हैं। लेकिन अगर आप इसका गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं, तो आपको कई समस्याएं हो सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चेहरे पर घी लगाने के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि इससे जुड़ी कौन की सावधानियां आपको बरतनी होगी। बता दें कि फेस पर घी अप्लाई करने के कई फायदे होते हैं। घी में विटामिन ए, विटामिन सी जैसे कई विटामिन्स पाए जाते हैं। घी के सेवन से हमारी स्किन का ग्लो बढ़ता है और एंटी-एजिंग में भी घी फायदेमंद होता है। घी में एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो हमारी त्वचा का निखार लाने में मदद करता है। चेहरे पर खुजली, होंठ फटना और इचिंग जैसी परेशानियों में भी अच्छा माना जाता है। घी में मौजूद एंटी-एजिंग हमारे फेस पर उम्र के कारण आने वाले प्रभावों को कम करता है। लेकिन घी का फेस पर सही तरीके से इस्तेमाल न करने पर इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

फेस पर घी लगाने के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। घी को चेहरे पर अप्लाई करने से पहले अच्छे से फेसवॉश कर लें। वहीं चेहरे पर घी लगाने के बाद अच्छे से मसाज करें। इससे आपको दोगुना फायदा मिलेगा। अगर आप घी के साथ केसर का इस्तेमाल करते हैं तो इसको स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदा मिलता है। केसर की कुछ पंखुड़ियों को घी में मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इसको 20 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई कर लें। 20 मिनट बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को धो लें। घी का बेसन के साथ इस्तेमाल करने पर पिगमेंटेशन की समस्या खत्म होती है। साथ ही झुर्रियां और दाग-

धब्बों को भी कम करने में यह नुस्खा काफी कारगर है। घी को गुलाबजल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगा लें। फिर करीब 1 घंटे बार नॉर्मल पानी से चेहरा धो लें। ऑयली और सेंसिटिव स्किन होने पर चेहरे पर घी लगाने से पहले एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लेनी चाहिए। आपको बता दें कि रात को सोने के दौरान स्किन पर घी अप्लाई करने से रंग में बदलाव लाया जा सकता है। अगर आप भी डार्क रंग से परेशान हैं, तो घी का इस तरह से इस्तेमाल करने से आपको फायदा मिलेगा।

दिल्ली से महज 5 घंटे की दूरी पर बसी ये जगहें, वीकेंड पर बना सकते हैं यहां का प्लान

वर्किंग प्रोफेशनल्स वीक शुरू होते ही वीकेंड का इंतजार करने लगते हैं। कुछ लोग जहां सोकर वीकेंड मनाते हैं, तो वहीं कुछ टीवी देखने में इसे बीताते हैं, तो वहीं कुछ लोग ट्रिप पर निकल जाते हैं। अगर आप भी इस तीसरी कैटगरी में शामिल हैं, तो जाहिर सी बात है आप ऐसी जगहों की तलाश में रहते होंगे, जिसे दो दिन की छुट्टी में आसानी से कवर किया जा सके। दिल्ली में रहने वालों के लिए उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश सबसे बेस्ट ऑप्शन होते हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं ऐसे ठिकानों की डिटेल्स, जहां दिल्ली से बस 5 घंटे की ड्राइव करके पहुंचा जा सकता है, तो आइए जानते हैं कौन सी जगहें हैं इस लिस्ट में शामिल।

भरतपुर

जैसा कि आप जानते ही होंगे राजस्थान की दूरी भी दिल्ली से बहुत ज्यादा नहीं है और यहां कई सारे टूरिस्ट प्लेस हैं जो देशों और दुनिया

में मशहूर है, लेकिन जो दिल्ली से सबसे कम दूरी पर बसा है वो है भरतपुर। महज 4 से 5 घंटे की ड्राइव कर इस खूबसूरत जगह पहुंचा जा सकता है। इस शहर को राजस्थान का पूर्वी द्वार भी कहा जाता है। भरतपुर प्राकृतिक खूबसूरती से भरपूर है। यहां के केवलादेव नेशनल पार्क आकर आप कई सारे पशु-पक्षियों को देख सकते हैं। सर्दियों में यहां आकर आप साइबेरियन सारस का भी दीदार कर सकते हैं। इसके अलावा यहां लोहागढ़ किला, गंगा मंदिर और भरतपुर पैलेस भी देखने लायक जगहें हैं।

रुडकी

दिल्ली से नजदीक बसी जगहों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है उत्तराखंड। यहां की हर एक जगह खास और खूबसूरती से भरपूर है, लेकिन क्या आपने कभी रुड़की को एक्सप्लोर किया है या ये आपके प्लान में शामिल है? अगर नहीं, तो कर लें क्योंकि एक तो ये जगह उत्तराखंड के बाकी जगहों जितनी ही खूबसूरत है और दूसरा यहां पहुंचने में भी बहुत ज्यादा वक्त नहीं लगता। सर्दियों में ये जगह घूमने के लिए बेस्ट है। हरियाली, पहाड़ और देवदार से घिरे नजारे यहां भी देखने को मिलेंगे। रुड़की आएं तो गंगा कैनाल, सोलानी पार्क और आईआईटी रुड़की जैसी जगहों को एक्सप्लोर करना मिस न करें।

जसपुर

वैसे उत्तराखंड की एक और जगह इस लिस्ट में शामिल है और वो है जसपुर। ये बहुत बड़ा शहर नहीं, बल्कि छोटा सा कस्बा है। पहाड़ों के बीच में मौजूद जसपुर की खूबसूरती बेमिसाल है। बर्फ से ढके छोटे-बड़े पहाड़, घने जंगल और बड़े-बड़े देवदार के पेड़ इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते है। अगर आप ट्रेकिंग के शौकीन हैं, तो यहां उसका भी मौका मिलेगा। दिल्ली से जसपुर पहुंचने में बस 5 घंटा लगता है।

कैजुअल पार्टी के लिए रेडी होते वक्त ध्यान रखें ये बातें

बात किसी खास फंक्शन में जाने की हो, तो लोगों को बेस्ट ड्रेस चूज करने में घंटों लग जाते हैं। अलग-अलग तरह की पार्टी के हिसाब से ड्रेस का सेलेक्शन काफी मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर आप भी कैजुअल पार्टी में जाने के लिए तैयार हो रहे हैं, तो कुछ टिप्स की मदद लेकर आसानी से पार्टी की शान बन सकते हैं।

कैजुल हो ड्रेसिंग का तरीका

आमतौर पर थीम बेस्ड पार्टी की ड्रेस को दोबारा पहनने के लिए लोगों को कई बार सोचना पड़ता है, लेकिन कैजुअल अटायर के साथ ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। कैजुअल पार्टी के अलावा रिसेप्शन, डिनर डेट और इवनिंग इवेंट में गाउन, वन पीस, मैक्सी ड्रेस, साड़ी, सलवार-कमीज, कॉर्डस या थ्री पीस सेट को आराम से कैरी कर सकती हैं, वहीं पुरुष शर्ट-पैंट, कॉर्ड सेट या टीशर्ट-जॉगर्स आदि पहन सकते हैं।

फैब्रिक पर फोकस करें

इस तरह की पार्टी के लिए खास फैब्रिक वाली ड्रेस पहनना बेस्ट रहता है। इसके लिए वेलवेट या सिल्क फैब्रिक की ड्रेस भी कैरी की जा सकती है, इससे लुक क्लासी नजर आएगा और आपका ड्रेसिंग सेंस भी सबसे हटकर दिखेगा।

डेनिम को करें ट्राई

कैजुअल पार्टी में पुरुषों के लिए सिर्फ फॉर्मल ड्रेस पहनना ही जरूरी नहीं, बल्कि आप चाहें तो कुर्ता-पजामा या वेस्ट कोट के साथ

भी अपने लुक को खास दिखा सकते हैं। इसके लिए कैजुअल शर्ट पर वेस्ट कोट के साथ डेनिम जींस कैरी करना अच्छा ऑप्शन है।

कलर्स के साथ करें एक्सपेरिमेंट

खास मौकों पर कलर का ध्यान रखना भी जरूरी है। वैसे तो कैजुअल पार्टी का ड्रेस कोड इनविटेशन में मेंशन रहता है। अगर ऐसा न हो, तो डार्क कलर की ड्रेस पहनना बेस्ट है। पार्टी में जहां माइल्ड ब्लू कलर आपको रॉयल लुक देने का काम करता है, वहीं व्हाइट टी शर्ट में भी फोटो काफी अच्छी आती है।

एक्सेसरीज दिलाएंगी हटके लुक

पार्टी की ड्रेस के साथ ही एक्सेसरीज पर भी फोकस करना जरूरी है। इसलिए ब्रैंडेड या ट्रेंडी एक्सेसरीज को अपनी किट में जगह दें। फुटवेयर में म्यूल्स, वेजेज, हील्स, शूज या बैली ट्राई करें, तो वही पुरुष लोफर्स, स्पोर्ट्स शूज पहन सकते हैं। आउटफिट्स के साथ बेल्ट जरूरी लग रहा है, तो उसे भी पहनें। वॉच कैरी करना न भूलें और स्टेटमेंट ज्वैलरी के साथ लुक को पूरा करें।

पेट भरने के साथ पेट को अंदर रखने के लिए नाश्ते में बनाएं ये लो फैट टेस्टी पराठे

क्या आप भी उन लोगों में शामिल हैं, जिनका नाश्ते में पराठा खाकर ही पेट भरता है, लेकिन कई बार चाहकर भी सिर्फइसलिए नहीं खा पाते कि वजन बढ़ जाएगा, जो ये बहुत जाहिर सी चिंता है। ऐसे में आज हम आपके लिए लेकर आए हैं, लो-फैट पराठे की रेसिपी, जिसे आप आराम से ब्रेकफास्ट, लंच या डिनर कभी भी बना-खा सकते हैं, वो भी बिना मोटापे की टेंशन लिए। आइए जानते हैं इनकी रेसिपी।

गोभी और गार्लिक पराठा

- सबसे पहले आटे में नमक मिलाकर आवश्यकतानुसार पानी डालकर आटा गूंथ लें। फिर इसे 15-20 मिनट के लिए सेट होने के लिए छोड़ दें।

- इसके बाद गोभी को कद्दूकस कर लें। इसमें बारीक कटे लहसुन, हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक, गरम मसाला, हल्दी पाउडर, नमक और कटी हरी धनिया की पत्ती मिलाएं।

- अब आटे को एक बार और गूंथ लें। इसकी छोटी-छोटी लोइयां बनाएं। लोइयों के बीच में जगह बनाएं और उसमें गोभी वाला भरावन भरें। हाथों से हल्का चपटा करें। पराठों को पहले हाथों से ही थपथपाते हुए बड़ा करते जाएं। इसके बाद बेलन से थोड़ा बेल लें क्योंकि कई बार भरावन बाहर निकल जाता है।

- इन पराठों को नॉन-स्टिक पैन पर सेकें। रिफाइंड या घी जो पसंद हो उसका पराठे सेंकने में इस्तेमाल करें।

मटर-पालक का पराठा

- इसमें में आटे को पहले गूंथकर रखना है जिससे ये थोड़ा

सॉफ्ट हो जाए। आटे में नमक डालना न भूलें।

- मटर के पराठे में मटर को उबालने की जगह भूनना ज्यादा बेहतर ऑप्शन है क्योंकि कई बार उबालने के बाद मटर को भरना मुश्किल हो जाता है।

- पालक के पत्तों को बारीक-बारीक काट लें। साथ ही हरी मिर्च को भी। अदरक को काटने के बजाय कद्दूकस करें।

- एक बड़े बाउल में मटर को मैश कर लें। इसमें बारीक कटे पालक, हरी मिर्च, अदरक, जीरा पाउडर, धनिया पाउडर और नमक मिलाएं।

- आटे के पेड़े बनाकर उसमें मटर वाला मिश्रण भरें।

- हल्के हाथों से बेलकर पराठे को थोड़ा बड़ा कर लें।

- इसके बार नॉन स्टिक पैन पर बहुत ही कम तेल के साथ इसे सेक लें।

सब्जियों से बने ये पराठे नाश्ते का हैं बेहतरीन ऑप्शन्स।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने चौंपियंस ट्रॉफी पर पीसीबी को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया

(एजेंसी)

लाहौर । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफने अगले साल चौंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के मुद्दे पर पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी को 'पूर्ण समर्थन' का आश्वासन दिया है और सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा है कि देश को इस मामले से निपटने के दौरान अपना आत्मसम्मान बनाए रखना चाहिए। शरीफ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के संरक्षक भी हैं। उन्होंने नकवी से यह भी कहा कि यह केवल पैसे का मामला नहीं है क्योंकि जनता की भावनाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है और इसके बजाय टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड मॉडल' में खेले जाने की मांग की है। जिससे उसे अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलने की अनुमति मिल सके। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक शीर्ष सूत्र के अनुसार खेल के लिए वैश्विक संचालन संस्था ने चौंपियंस ट्रॉफी को 'हाइब्रिड मॉडल' में आयोजित करने के लिए आम सहमति बनाई है जिससे भारत को दुबई में अपने हिस्से के मैच खेलने की अनुमति मिल जाएगी जबकि 2027 तक कई देशों की प्रतियोगिता में इसी तरह की व्यवस्था के लिए 'सैद्धांतिक रूप से' सहमति बनी है। नकवी ने रविवार को शरीफको पर्दे के पीछे के घटनाक्रमों के बारे में जानकारी दी, लेकिन पीसीबी ने बैठक का विवरण नहीं बताया। सूत्र ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे पर पीसीबी को अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया और भारत द्वारा पाकिस्तान में खेलने से इनकार करने पर (पीसीबी) अध्यक्ष द्वारा अपनाए गए रुख की सराहना की।'' उन्होंने कहा कि शरीफने नकवी से कहा कि सब कुछ पैसे के बारे में नहीं है और पाकिस्तान को अपने आत्मसम्मान और गौरव को ध्यान में रखते हुए इस मामले से निपटना चाहिए। 'जियो टीवी' के अनुसार बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने नकवी से कहा, ''भारत द्वारा पाकिस्तान में खेलने से इनकार करने के बाद चौंपियंस ट्रॉफी के मामले में पीसीबी द्वारा अपनाया गया रुख सभी पाकिस्तानियों की भावनाओं को दर्शाता है।'' नकवी ने कहा है कि चौंपियंस ट्रॉफी पर कोई भी फैसला सरकार से सलाह लेने के बाद लिया जाएगा। सरकार के करीबी एक अन्य सूत्र ने कहा कि नकवी ने पाकिस्तान के अगले कदम के बारे में उन्हें सूचित करने के लिए प्रधानमंत्री से मुलाकात की थी क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड आईसीसी के समक्ष पीसीबी द्वारा प्रस्तावित 'फ्यूजन फॉर्मूले' को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। सूत्र ने कहा, ''मूल रूप से नकवी प्रधानमंत्री को अपडेट रखना चाहते थे और अगर पीसीबी टूर्नामेंट पर कोई मुश्किल फैसला लेकर गतिरोध तोड़ने का फैसला करता है तो उनकी मंजूरी लेना चाहते थे।'' पीसीबी चाहता है कि बीसीसीआई एक ऐसा फॉर्मूला स्वीकार करें जिसके तहत अगर भारत पाकिस्तान में कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं खेलता है तो पड़ोसी टीम भी किसी भी टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी।

सांस्कृतिक संबंधों से लेकर सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देगी जयशंकर की बहरीन यात्रा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बहरीन के अपने दो दिवसीय दौरे की शुरुआत रविवार को मनामा में ऐतिहासिक 200 साल पुराने श्रीनाथजी मंदिर के दर्शन से की। यह मंदिर बहरीन के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है और दोनों देशों के बीच साझा इतिहास और लोगों के बीच संबंधों को दर्शाता है। डॉ. जयशंकर ने बहरीन के अपने समकक्ष डॉ. अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायनी के साथ चौथे भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग (एचजेसी) की सह-अध्यक्षता करने के लिए 8-9 दिसंबर को बहरीन की यात्रा की। मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत-बहरीन संबंधों के पूरे स्पेक्ट्रम की समीक्षा की गई और व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा हुई। इस वर्ष की 20वीं आईआईएसएस मनामा वार्ता विदेश मंत्री की बहरीन यात्रा का

एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही। संवाद का विषय था, 'क्षेत्रीय समृद्धि और सुरक्षा को आकार देने में मध्य पूर्व नेतृत्व'। संवाद पैनल में जयशंकर के अलावा बहरीन के विदेश मंत्री डॉ. अल जायनी और चेक गणराज्य के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार टॉमस पोजर शामिल रहे। मनामा संवाद को संबोधित करते हुए जयशंकर ने आर्थिक संबंधों, राजनीतिक जुड़ाव, संपर्क पहल और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भारत के प्रयासों पर जोर दिया। इससे इतर जयशंकर ने भारत की अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को मजबूत करने के लिए कई उच्च स्तरीय बैठकें भी की। उन्होंने भारत और चेक गणराज्य के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा और उन्हें बढ़ाने के लिए राजदूत टॉमस पोजर से मुलाकात की। डॉ. जयशंकर ने क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए ऑपरेशन यूनेवफोर एस्पाइड्स के कमांडर रियर एडमिरल वासिलियोस ग्रिपरिस के साथ भी चर्चा की। ऑपरेशन यूनेवफोर एस्पाइड्स एक यूरोपीय संघ (ईयू) सैन्य अभियान है, जिसका उद्देश्य लाल सागर और खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों को हमलों से बचाना है। इसके अतिरिक्त विदेश मंत्री ने भारत और ब्रिटेन के बीच बहुआयामी सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए ब्रिटिश 'छाया' विदेश मंत्री प्रीति पटेल से मुलाकात की। इसके अलावा उन्होंने एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्सखना के साथ दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास और गहनता पर चर्चा की। बहरीन की इस यात्रा से पहले जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के निमंत्रण पर कतर का दो दिवसीय दौरा किया, जहां उन्होंने दोहा फोरम में हिस्सा लिया।

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

यूक्रेन को हथियार मुहैया कराने के लिए लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर की और मदद देगा अमेरिका

(एजेंसी)

सिमी वैली । अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि यूक्रेन को हथियार मुहैया कराने के लिए लगभग एक अरब अमेरिकी डॉलर की और सहायता दी जाएगी। माना जा रहा है ऐसा इसीलिए किया गया कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले माह पदभार संभालने से पहले बाइडन प्रशासन कीव को मजबूत करने के लिए कांग्रेस (संसद) द्वारा स्वीकृत पूरी धनराशि को खर्च करना चाहता है। नवीनतम राहत में 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम' या एचआईएमएआरएस के लिए ड्रोन और गोला-बारूद मुहैया कराए जाएंगे। यूक्रेन को इन हथियारों की फिलहाल बहुत जरूरत है जिन्हें 'यूक्रेन सिक्योरिटी अस्सिटेंस इनिशिएटिव' के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल के जरिए जो हथियार मुहैया कराए जाते हैं वह यूक्रेनी सेना की भविष्य की क्षमता को बढ़ाने के लिए होते हैं न कि युद्ध के मौदान में तत्काल परिवर्तन लाने के लिए। अमेरिका की ओर से 98.8 करोड़ डॉलर का यह पैकेज गत सोमवार को घोषित 72.5 करोड़ डॉलर की सैन्य सहायता से अलग है। फरवरी 2022 में रूस के आक्रमण के बाद से अमेरिका यूक्रेन को 62 अरब अमरीकी डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता उपलब्ध करा चुका है। ऑस्टिन ने कहा, ''यह सहायता मुहैया कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।'' यह पूछे जाने पर कि क्या ट्रंप यूक्रेन को सैन्य समर्थन जारी रखेंगे, इस पर ऑस्टिन ने कहा, ''इस प्रशासन ने मदद का फैसला अपनी मर्जी से लिया। अगला प्रशासन आगे की मदद पर फैसला खुद लेगा।

अमेरिका को सीरिया के मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए : ट्रंप

(एजेंसी)

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि अमेरिका को सीरिया में सैन्य कार्रवाई से बचना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, यह हमारी लड़ाई नहीं है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब विद्रोही राजधानी दमिश्क के उपनगरों तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद सत्ता में बने रहने के लिए अमेरिकी समर्थन के लायक नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि विद्रोही संभवत: असद को सत्ता से हटा सकते हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने सीरिया में 13 वर्षों से चल रहे युद्ध से निपटने में अमेरिका के समग्र रवैये की भी निंदा की। उन्होंने शनिवार को पोस्ट में लिखा, सीरिया में अव्यवस्था का माहौल है, लेकिन वह हमारा मित्र नहीं है और अमेरिका का इससे कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। यह हमारी लड़ाई नहीं है।

चीन ने ताइवान के निकट 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान एवं चार गुब्बारे भेजे : ताइवान

(एजेंसी)

ताइपे । चीन ने ताइवान पर अपने दावों को लेकर दबाव बनाने की रणनीति के तहत द्वीप के निकट 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान और चार गुब्बारे भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। चीन ने ऐसे समय में ये सैन्य गतिविधियां की हैं जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अमेरिका समेत प्रशांत क्षेत्र के सहयोगी देशों की हालिया यात्रा के जवाब में बीजिंग द्वीप के आसपास सैन्य अभ्यास कर सकता है। चीन दो करोड़ 30 लाख लोगों की आबादी वाले स्वशासित ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और ताइवान के साथ अन्य देशों के औपचारिक मान्यता नहीं देते लेकिन अमेरिका अनौपचारिक तौर पर ताइवान का प्रमुख समर्थक है और इसे हथियार बेचता है। चीन सरकार ने आवश्यकता पड़ने पर सैन्य बल के माध्यम से ताइवान पर कब्जा करने का संकल्प लिया है तथा वह लगभग हर रोज द्वीप के निकट अपने पोत और सैन्य विमान भेजता है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, शनिवार सुबह छह बजे से रविवार सुबह छह बजे के बीच 24 घंटे में 14 युद्धपोत, सात सैन्य विमान और चार गुब्बारे देखे गए। मंत्रालय ने कहा कि इनमें से छह विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया जो ताइवान और चीन का एक अनौपचारिक सीमा क्षेत्र है। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से एक गुब्बारा द्वीप के उत्तरी सिरे से होकर गुजरा।

अदाणी के सौर ऊर्जा अनुबंध में शुल्क प्रतिस्पर्धा से कम है, नया खरीदार मिलना संभव : विश्लेषक

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। अदाणी समूह के सौर ऊर्जा अनुबंध में शुल्क प्रतिस्पर्धा से कम है और विश्लेषकों के अनुसार समझौता रद्द होने की स्थिति में कंपनी को नए खरीदार मिल सकते हैं। गौरतलब है कि कंपनी पर अमेरिका में रिश्वत देने के आरोप लगे हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने अदाणी समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन गौतम अदाणी और अन्य पर अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के आठ गीगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति का ठेका हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत देने में शामिल होने का आरोप लगाया है। समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया है। नोमुरा ने एक रिपोर्ट में कहा, अगर अदाणी के प्रवर्तक दोषी पाए जाते हैं, तो हमारा मानना है कि संभावित जुर्माना दिया जा सकता है, क्योंकि यह रिश्वत के मूल्य से तीन गुना तक हो सकता है। ब्रोकरेज ने कहा कि फरवरी-मार्च 2024 से गुजरात में करीब 1.8 गीगावाट की सौर परियोजनाएं शुरू हो रही हैं, जिनका शुल्क 25 साल के बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) के तहत 2.42 रुपये प्रति यूनिट है। इसमें आगे कहा गया कि इस तरह के शुल्क स्तर बहुत अधिक नहीं है, और इन प्रभावित परियोजनाओं पर संभावित पीपीए रद्द होने के बावजूद, एजीईएल को इन परियोजनाओं के लिए नीलामी के जरिये फिर से अनुबंध हासिल करने में सक्षम होना चाहिए, जिसमें शुल्क स्तरों में कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं होगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि न्यूयॉर्क की अदालत में अमेरिकी न्याय विभाग के अभियोग दायर करने के बावजूद समूह को वित्तपोषण चौनलों तक पहुंच जारी रहेगी।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ रुपये बढ़ा

(एजेंसी)

नयी दिल्ली । देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह का कुछ बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 2,03,116.81 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक सबसे ज्यादा लाभ में रहे। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,906.33 अंक या 2.38 फीसदी उछला और एनएसई निफ्टी 546.7 अंक या 2.26 फीसदी चढ़ा। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और भारतीय स्टेट बैंक में बढ़त दर्ज हुई। दूसरी ओर भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर को गिरावट का सामना करना पड़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 62,574.82 करोड़ रुपये बढ़कर 16,08,782.61 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक ने 45,338.17 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका बाजार मूल्यांकन बढ़कर 14,19,270.28 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन 26,885.8 करोड़ रुपये बढ़कर 7,98,560.13 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 26,185.14 करोड़ रुपये बढ़कर 17,75,176.68 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 22,311.55 करोड़ रुपये बढ़कर 7,71,087.17 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 19,821.33 करोड़ रुपये बढ़कर 9,37,545.57 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान हालांकि, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 16,720.1 करोड़ रुपये घटकर 9,10,005.80 करोड़ रुपये और आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 7,256.27 करोड़ रुपये घटकर 5,89,572.01 करोड़ रुपये रह गया।

जनवरी से कारें हो जाएंगी महंगी

वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं ने की मूल्य वृद्धि की घोषणा

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। विभिन्न कार मॉडलों की कीमतें बढ़ने वाली हैं क्योंकि वाहन विनिर्माताओं ने जनवरी से कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कार विनिर्माता अगले महीने से कीमतों में बढ़ोतरी लागू करने का मुख्य कारण इनपुट लागत और परिचालन व्यय में वृद्धि बताते हैं। हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि यह कवायद हर साल दिसंबर में वाहन विनिर्माताओं द्वारा वर्ष के अंतिम महीने में बिक्री की मात्रा बढ़ाने के लिए की जाती है, क्योंकि ग्राहक नए साल में वाहन खरीदने के लिए बाद के महीनों तक खरीदारी स्थगित कर देते हैं। परामर्श कंपनी डेलॉयट इंडिया के साझेदार रजत महाजन ने कहा, हमने भारत में कीमतों में बढ़ोतरी के कुछ चक्र देखे हैं। यह कैलेंडर वर्ष और वित्त वर्ष की शुरुआत में होता है, लेकिन कुछ वाहन मूल कलपुर्जा विनिर्माता (ओईएम) अपने नियोजित लॉन्च के आधार पर भी समय चुनते हैं। रेटिंग एजेंसी इक्रा के उपाध्यक्ष एवं क्षेत्र प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग) रोहन कंवर गुप्ता ने कहा कि वाहन विनिर्माता कंपनियां आमतौर पर कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में कीमतों में वृद्धि करती हैं, ताकि मुद्रास्फीति के दबाव और कमोडिटी की कीमतों आदि के कारण परिचालन लागत में वृद्धि जैसे कारकों की भरपाई की जा सके। उन्होंने कहा, हाल ही में विभिन्न कार विनिर्माताओं द्वारा घोषित मूल्य वृद्धि इसी कारण से है। ध्यान दिया जाना चाहिए कि यात्री वाहन उद्योग में विभिन्न मॉडलों पर पहले से ही भारी छूट की पेशकश की जा रही है, उद्योग का ध्यान भंडारण के स्तर को कम करने पर है। प्रवेश स्तर की ऑल्टो के10 से लेकर बहुउपयोगी वाहन इनविक्टो तक के मॉडल बेचने वाली कंपनी ने कहा कि वह बढ़ती इनपुट लागत और परिचालन व्यय के मद्देनजर कीमतों में बढ़ोतरी कर रही है। प्रतिद्वंद्वी हुंदै मोटर इंडिया भी एक जनवरी, 2025 से अपने मॉडल रेंज की कीमतों में 25,000 रुपये तक की वृद्धि करने पर विचार कर रही है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा जनवरी से अपने एसयूवी और वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में तीन प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि यह समायोजन मुद्रास्फीति और वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतों के कारण बढ़ती लागत को देखते हुए किया गया है। इसी प्रकार, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि वह अगले महीने से अपने संपूर्ण मॉडल श्रृंखला की कीमतों में तीन प्रतिशत तक की वृद्धि करेगी।

पेटीएम ने लिया बड़ा फैसला

अब इस कंपनी को बेची अपनी हिस्सेदारी

(एजेंसी)

पेटीएम ब्रांड के पीछे फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने बड़ी घोषणा की है। सिंगापुर स्थित एक सहायक कंपनी ने जापान के पेपे में स्टॉक अधिग्रहण अधिकारों को सॉफ्टबैंक विजन फंड 2 को 2,364 करोड़ रुपये में बेचा जाएगा। इसकी मंजूरी मिल गई है।

नियामक फाइलिंग में इसे लेकर जानकारी साझा की गई है। पेटीएम और पेटीएम सिंगापुर ने पे-पे को तकनीकी सेवाएं देने के लिए जापानी डिजिटल वॉलेट फर्म, सॉफ्टबैंक कॉर्प, सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प और याहू जापान कॉर्पोरेशन के साथ समझौता किया है। सेवाओं के बदले में, पेटीएम सिंगापुर ने स्टॉक अधिग्रहण अधिकार हासिल कर लिया था, जो पूरी तरह से डायल्यूटेड आधार पर पेपे में 1,59,012 शेयरों या 7.2 प्रतिशत हिस्सेदारी में परिवर्तनीय है। हिस्सेदारी बिक्री के लिए बोर्ड की मंजूरी कंपनी ने फाइलिंग में कहा, वन97 कम्युनिकेशंस सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड ने 06 दिसंबर, 2024 को दोपहर 12.49 बजे (आईएसटी) कंपनी को सूचित किया है कि उसके निदेशक मंडल ने 06 दिसंबर, 2024 को आयोजित अपनी बैठक में पेपे कॉर्पोरेशन, जापान में अपने सभी स्टॉक अधिग्रहण अधिकारों को सॉफ्टबैंक विजन फंड 2 इकाई को 41.9 बिलियन जेपीवाई (2,364 करोड़ रुपये के बराबर) की शुद्ध आय के लिए बेचने को मंजूरी दे दी है। इस लेनदेन से पेपे का मूल्यांकन लगभग 3.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर या लगभग 32,000 करोड़ रुपये हो गया है। पेटीएम ने कहा कि यह लेनदेन दिसंबर 2024 में पूरा होने की उम्मीद है।

मै स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सरोज त्रिवेदी द्वारा के. सी. प्रकाशन प्रा0 लि0 एस-20 यू.पी.एस.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र सरोजनी नगर जिला लखनऊ से मुद्रित कराकर फ्लैट सं. 101 सफायर कोर्ट 3ए, जापलिंग रोड लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक सरोज त्रिवेदी R.N.I No. UPHIN/2010/36179 Mob: 9451912645 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों का चयन रिपोर्टरो/पीआईबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ के अधीन समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों व समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों/रिपोर्टरों की होगी।

सुकृति छेत्री बनीं लुलु नीविआ ब्यूटी क्वीन-2024

संवाददाता

लखनऊ। लुलु हाइपरमार्केट द्वारा आयोजित लुलु ब्यूटी फेस्ट 2024 पॉडस और ट्रस्मी के सौजन्य से फ्रिामा यार्डली लंदन, इंचंटर व डर्मा फ्रिक के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता हेतु 500 से अधिक उम्मीदवारों ने ऑडिशन के लिए अपनी प्रोफाइल साझा करके अपनी भागीदारी दर्ज की, जिनमे से 50 चयनित प्रतियोगियों ने सेमी फाइनल में प्रवेश किया। अलग-अलग राउंड से गुजरने के बाद, कुल 20 फाइनलिस्टों में से, ष्लुलु नीविआ ब्यूटी क्वीन - 2024ष् की विजेता सुकृति छेत्री, और ष्लुलु रॉयल मिराज मैन ऑफ द ईयर - 2024ष् का खिताब सिद्धांत तलवार ने जीता, जबकि प्रथम और द्वितीय रनर अप - फीमेल एंड मेल क्रमशः प्रिया मौर्या, प्रशांत द्विवेदी, अपेक्षा सिंह चौहान और ऋषव देव सिंह ने जीते। विजेताओं को मुख्य अतिथि बॉलीवुड अभिनेत्री हर्षाली मल्होत्रा द्वारा सम्मानित किया गया। लुलु ब्यूटी फेस्ट 2024 मूल्यांकन फैशन डिजाइनर असमा हुसैन एवं बॉलीवुड अभिनेता आकर्ष अलघ द्वारा किया गया तथा कोरियोग्राफी का श्रेय समीर श्रीवास्तव को जाता है। नोमान अजीज खान - महाप्रबंधक लुलु हाइपरमार्केट - लखनऊ ने कहा कि लुलु हाइपरमार्केट ने गर्व के साथ एक अभूतपूर्व कार्यक्रम सम्पन्न किया, जिसने न केवल सौंदर्य उद्योग में नवीनतम रुझानों को प्रदर्शित किया, बल्कि समुदाय की भावना को भी बढ़ावा देते हुए शहर में सशक्तिकरण की भूमिका भी निभाई जिससे लखनऊ शहर में नयी प्रतिभा को नए अवसर मिलें।

अपोलोमेडिक्स अस्पताल ने हासिल की बड़ी सर्जिकल सफलता, मरीज के लिवर से निकाला फुटबॉल के आकार का ट्यूमर

जटिल सर्जरी में हटाए एक साथ चार न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर

संवाददाता

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक जटिल सर्जरी में बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। अस्पताल के डॉक्टरों ने मरीज के लिवर से फुटबॉल के आकार का करीब 3 किलोग्राम का न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया। डॉ. आशीष मिश्रा, सीनियर कंसल्टेंट, लिवर ट्रांसप्लांट एवं एचपीबी सर्जन, की अगुवाई में एक लंबी और कठिन सर्जरी के दौरान मरीज के शरीर से चार ट्यूमर हटाए गए। डॉ आशीष मिश्रा ने बताया, ष्जटिल और दुर्लभ सर्जरी के जरिए निकाले गए ट्यूमर्स में यह ट्यूमर देश और प्रदेश में सबसे बड़े ट्यूमर्स में से एक है। यह न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर्स में से भी सबसे बड़ा ट्यूमर माना जाता है। इस ट्यूमर का आकार इतना बड़ा

होने का कारण यह है कि ऐसे ट्यूमर्स में लक्षण बहुत देर से दिखते हैं। इस मरीज में लक्षण दिखने के बाद भी वह लंबे समय तक विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए जाता रहा। मरीज की जान को इस ट्यूमर से बड़ा खतरा था, क्योंकि अगर और इंतजार किया जाता तो ट्यूमर और फैल सकता था, जिससे ऑपरेशन असंभव हो जाता। रोगी पिछले दो सालों से विभिन्न अस्पतालों का दौरा कर चुके थे, लेकिन ट्यूमर के आकार और जटिलता के कारण उन्हें इलाज नहीं मिल पाया था। पहले, रोगी को रेक्टम में 2 सेंटीमीटर का न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर था, जो बाद में लिवर में फैल गया, जिसके परिणामस्वरूप तीन बड़े ट्यूमर बन गए। इनमें से एक ट्यूमर का आकार 27-28 सेंटीमीटर था। न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर बेहद दुर्लभ हैं। ये ट्यूमर शरीर के हार्मोन बनाने वाली कोशिकाओं में विकसित होते हैं और इन्हें पहचानना मुश्किल होता है। आमतौर पर, हजार लोगों में से केवल एक या दो लोगों को ही यह बीमारी होती है। वैसे तो, यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन यह 40-50 साल से अधिक उम्र के लोगों में होने की संभावना अधिक होती है। इस मामले में खास बात यह भी थी कि रोगी का शराब, धूम्रपान या तंबाकू का सेवन जैसे कोई भी सामान्य कैंसर जोखिम कारक इतिहास नहीं था। इतना बड़ा ट्यूमर होने के कारण यह आसपास के अंगों जैसे किडनी, पेट और अंतड़ियों पर दबाव डाल रहा था। इससे मरीज को खाने में बहुत दिक्कत हो रही थी, पेट में दर्द रहता था और पेट में फुटबॉल के आकार जैसा ट्यूमर महसूस हो रहा था। इस ट्यूमर के बड़ा होने की मुख्य वजह इसका रेक्टम में होना था, जो फैलकर धीरे-धीरे बड़ा होता जा रहा था और लिवर में पहुंच गया था। यदि यह ट्यूमर बढ़ता रहता, तो पूरे लिवर में फैल सकता था, जिससे लिवर फेल होने का खतरा बढ़ जाता और इसके इलाज के लिए लिवर ट्रांसप्लांट की आवश्यकता होती। इतना बड़ा ट्यूमर होने के कारण आसपास के अंगों को भी नुकसान हुआ था। इसके बारे में इतनी देर से पता चला क्योंकि इस ट्यूमर के लक्षण बहुत बड़े आकार में होने पर ही दिखते हैं। डॉ. आशीष मिश्रा की टीम ने एक ही सर्जरी में सभी चार ट्यूमर हटा दिए, जो इस प्रकार के मामलों में आमतौर पर दो अलग-अलग सर्जरी की आवश्यकता होती है। इस सफलता को अपोलोमेडिक्स के लिए एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है, जो अब उन्नत चिकित्सा देखभाल के क्षेत्र में अग्रणी बन चुका है।

फीनिक्स पलासियो में तलविंदर का धमाकेदार लाइव कॉन्सर्ट-संगीत और जोश में डूबी शानदार शाम

- ❑ तलविंदर ने गाया गाह और गल्लाँ4 और झूम उठी 2024 की सबसे चर्चित पार्टी
- ❑ फीनिक्स पलासियो ने सजाई शॉपिंग, मनोरंजन और स्वादिष्ट व्यंजनों की परफेक्ट शाम

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के प्रमुख लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन फीनिक्स पलासियो में शनिवार रात ऑडियंस पंजाबी म्यूजिक सेंसेशन तलविंदर की धमाकेदार लाइव परफॉर्मेंस की गवाह बनी। कासा बकार्डी ऑन टूर सीजन- 4 के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने लखनऊवासियों को संगीतमय जोश से सराबोर किया। अपने फ्यूजन स्टाइल और एनर्जी से भरपूर गीतों के लिए मशहूर तलविंदर ने शानदार हिट्स गाह और गल्लां 4 के साथ दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। फिर उनके नए गाने समवन लाइक मी ने माहौल को और भी म्यूजिकल बनाया। उनकी ईपी नशा और हिट कोलैबोरेशन धुंधला जैसे गानों ने इस शो को बेहद ख़ास बना दिया। कॉन्सर्ट के दौरान दर्शक न केवल तलविंदर के म्यूजिकल जादू से थिरकने पर मजबूर हुए, बल्कि उन्होंने फीनिक्स पलासियो के शानदार माहौल और बेहतरीन खानपान का भी लुत्फ उठाया। इशारा, दोबारा और एट जैसे फूड पार्टनर्स ने अपने स्वादिष्ट व्यंजनों से शाम को और यादगार बना दिया। कार्यक्रम के बारे में फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर, श्री संजीव सरीन ने कहा, ष्हम फीनिक्स पलासियो में इस तरह के लाइव म्यूजिक इवेंट्स को होस्ट करके बेहद रोमांचित हैं। सिंगर तलविंदर की परफॉर्मेंस इसकी एक बेहतरीन मिसाल है कि ऐसे कॉन्सर्ट्स न केवल लखनऊ की एनर्जी को बढ़ाते हैं, बल्कि हमारे विजिटर्स को लम्बे समय तक याद भी रहेंगे। यह धमाकेदार कॉन्सर्ट केवल एक म्यूजिकल अनुभव भर ही नहीं था, बल्कि फीनिक्स पलासियो की ओर से शॉपिंग, मनोरंजन और स्वादिष्ट व्यंजनों का शानदार मेल था।

लखनऊ को वाटर प्लस मानक हासिल करने में सहयोग कर रहा है सुएज

संवाददाता

लखनऊ। वन सिटी वन ऑपरेटर के अंतर्गत सुएज सीवर प्रबंधन और स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी, लखनऊ नगर निगम और जल कल विभाग के मार्गदर्शन में शहर को वाटर प्लस मानक हासिल करने में मदद कर रहा है। सुएज ने इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यक मानकों और अनुपालनों को पूरा करने का संकल्प लिया है। नगर आयुक्त के मार्गदर्शन में,ैर्न्ज की टीम लखनऊ में स्वच्छता और जल प्रबंधन की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इस सहयोग में शहरी सीवरेज प्रणाली के संचालन, रखरखाव और आधुनिक तकनीकों का उपयोग शामिल है, जिससे लखनऊ के निवासियों को स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण प्रदान किया जा सके। सुएज का उद्देश्य न केवल लखनऊ को वाटर प्लस मान्यता दिलाना है, बल्कि जल और पर्यावरण संरक्षण के उच्च मानकों को भी स्थापित करना है। हमारी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करना है कि शहर में सीवरेज से संबंधित समस्याओं का समाधान तेजी से और प्रभावी तरीके से हो। हमारा विश्वास है कि जल प्लस मानक को हासिल करने से लखनऊ देश के स्वच्छ और टिकाऊ शहरों की सूची में अग्रणी स्थान पर होगा।ैर्न्ज, लखनऊ नगर निगम और जल कल विभाग के मार्गदर्शन में इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजेश मठपाल, परियोजना निदेशक ने कहा। सुएज के बारे मेंरूसुएज एक वैश्विक कंपनी है जो सीवर प्रबंधन, स्वच्छता और पर्यावरण समाधान के क्षेत्र में अग्रणी है। लखनऊ में, कंपनी वन सिटी वन ऑपरेटर योजना के तहत सीवरेज सिस्टम के प्रबंधन की जिम्मेदारी निभा रही है।

विद्युत तकनीकी कर्मचारी एकता संघ उ.प्र. का द्वितीय महाधिवेशन सम्पन्न हुआ

संवाददाता, लखनऊ। महाधिवेशन में प्रदेश के सभी जिलों से तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। संघ सदस्यों ने अपनी समस्याओं और मांगों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। इस पर मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने समस्याओं के समाधान हेतु उच्च प्रबंधन से वार्ता कर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। महाधिवेशन में केंद्रीय कमेटी का चुनाव भी संपन्न हुआ। जिसमें विभांशु कुमार सिंह(केंद्रीय अध्यक्ष), अनिल कुमार राठौर (केंद्रीय महामंत्री),और जयप्रकाश यादव (केंद्रीय कोषाध्यक्ष) के नेतृत्व में वर्तमान कमेटी को सर्वसम्मति से आगामी कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुना गया। इस अवसर पर बलराम कृष्ण यादव ने विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के प्रयासों की सराहना की और कर्मचारियों के हक की लड़ाई में समर्थन का भरोसा दिलाया। तकनीशियन साथियों में हर्ष उल्लास और उमंग उम्मीद की नई किरण दिखाई दी।

वाणिज्य कर अधिकारी प्रशिक्षण संस्थान अब कहलायेगा राज्य कर प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्य कर विभाग के प्रशिक्षण संस्थान का नाम 'वाणिज्य कर अधिकारी प्रशिक्षण संस्थान' से परिवर्तित करते हुए 'उत्तर प्रदेश राज्य कर प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान' किये जाने की राज्यपाल महोदय ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी है प्रमुख सचिव, राज्य कर एम देवराज ने बताया कि प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों से परस्पर संवाद कर उनके प्रशिक्षण को और अधिक उन्नत बनाने, करापवंचन को रोकने तथा राजस्व प्राप्ति के नये स्रोतों को खोजने हेतु संस्थान में शोध किये जाने संबंधी प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिये गये थे। जिसके क्रम में आयुक्त, राज्य कर द्वारा प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया, जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है। इससे अधिकारियों की कार्यशैली, राजस्व प्राप्ति, करापवंचन को रोकने में सुधार होगा। प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य कर विभाग का उत्तर प्रदेश के विकास एवं राजस्व संग्रह में महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश के कुल राजस्व का एक बड़ा भाग केवल राज्य कर विभाग द्वारा प्राप्त किया जाता है। मुख्यमंत्री के संकल्प, कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य की प्राप्ति की दृष्टि से भी यह विभाग महत्वपूर्ण स्थान रखता है। राज्य कर विभाग के अधिकारियों को मिलने वाली आधारभूत, व्यवसायिक एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण को और उन्नत बनाने के उद्देश्यो से प्रयागराज में अधिकारी प्रशिक्षण स्कूल की स्थापना सन् 1931 में की गयी थी। जिसे वर्तमान में स्थानांतरित करते हुए विभूति खण्ड गोमतीनगर लखनऊ में स्थापित किया गया है।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को सीएसआर फंड से मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने हेतु एमडी परिवहन निगम ने कम्पनियों, संस्थाओं को भेजा प्रस्ताव

संवाददाता, लखनऊ। परिवहन मंत्री के निर्देश पर महाकुंभ-मेला 2025 में निर्मित अस्थायी बस स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के दृष्टिगत सीएसआर फंड से व्यवस्था के संबंध में प्रबंध निदेशक परिवहन निगम ने प्रमुख कम्पनियों, संस्थाओं को पत्र भेजा है। सीएसआर फंड से वाटर एटीएम, थीमैटिक प्रवेश द्वार, पूछताछ डिस्प्ले, यात्री बैंच, मेगाफोन, डस्टबिन अलाव कंबल, गद्दे, साइनेज एव गमले की व्यवस्था कराये जाने का प्रस्ताव भेजा है।एमडी ने स्टेट बैंक ऑफइंडिया, एसडीएफसी बैंक, इंडियन बैंक, पीएनबी, कोटक महिंद्रा, इंडियन ऑयल, सेन्ट्रल बैंक जैसे संस्थाओं,कम्पनियों को पत्र लिखकर महाकुंभ आने वाले स्नानार्थियों के लिए उक्त सुविधायें मुहैया कराये जाने का प्रस्ताव भेजा है। महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में 10 जगहों पर बेलाकछार 1, बेलाकछार 2, बेलीकछार, नेहरू पार्क, झूसी मेला, दुर्जनपुर, सरस्वती गेट, लेप्रोसी चौराहा, नैनी, सरस्वती हाईटेक सिटी पर अस्थायी बस स्टेशन बनाये गये है। उक्त स्थानों पर ही श्रद्धालुओं के रूकने की व्यवस्था मेला प्रशासन द्वारा किया जाता है।

"रिमोट सेन्सिंग फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर: ए रोडमैप टूवार्डस् विकसित भारत" विषय पर प्री सिमपोजियम का शुभारंभ

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के जानकीपुरम, लखनऊ स्थित रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन सेंटर में आज दो दिवसीय प्री सिमपोजियम का शुभारंभ हुआ। "रिमोट सेन्सिंग फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर: ए रोडमैप टूवार्डस् विकसित भारत" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतर्गत पूर्व-ट्यूटोरियल सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विशेष सचिव और निदेशक रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन सेन्टर, लखनऊ शीलधर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में किया।पूर्व-ट्यूटोरियल सत्रों में लिडार तकनीक, बाथीमेट्रिक सर्वेक्षण, उच्च-रिजॉल्यूशन उपग्रह डेटा और ड्रोन तकनीक के लोक कल्याणकारी और व्यावहारिक उपयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। संगोष्ठी में इन तकनीकों को सतत विकास, स्मार्ट सिटी निर्माण, और पर्यावरणीय स्थिरता के संदर्भ में लागू करने के तरीकों पर चर्चा की जा रही है।

इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए 100 से अधिक छात्र और विशेषज्ञ, जिनमें तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, और उत्तराखंड के प्रतिभागियों ने भाग लिया।इस संगोष्ठी का आयोजन भारतीय रिमोट सेंसिंग सोसाइटी और भारतीय जियोमैटिक्स सोसाइटी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। आयोजन समिति में प्रमुख रूप से श्री प्रवीण के. ठाकुर सचिव, भारतीय रिमोट सेंसिंग सोसाइटी ए. के. अग्रवाल अध्यक्ष, भारतीय रिमोट सेंसिंग सोसाइटी, लखनऊ चौप्टर और डॉ. एम. एस. यादव आयोजन सचिव एवं प्रमुख वैज्ञानिक, मृदा संसाधन प्रभाग एवं अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और फैकल्टी शामिल हैं।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों संग खादी और पीएमईजीपी प्रदर्शनी समाप्त

संवाददाता

लखनऊ ।राज्य कार्यालय खादी और ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ के तत्वावधान में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय विशाल खंड गोमती नगर के प्रांगण में चल रही राज्य स्तरीय खादी और पीएमईजीपी प्रदर्शनी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों संग फिर मिलने के वादे के साथ विदा हुई। कार्यक्रम का शुभारम्भ आर. जी. गुप्ता ने अपनी सुमधुर आवाज में राम स्तुति से कर किशोर कुमार के गाए सदाबहार गीतों को सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसी क्रम में सुमेर सरगम ने अपनी खनकती हुई आवाज में भोजपुरी गीतों की रस सरिता प्रवाहित की। मन को मोह लेने वाली इस पेशकश के बाद मधु सिंह की

कोरियोग्राफी में साड़ी-शूट राउण्ड में डिम्पल भारती, दिव्या भारती, सिमरन वर्मा, माही मिश्रा, पूजा और मधु ने रैम्प पर कैटवॉक कर लोगों को खादी के वस्त्र पहनने के लिए प्रेरित किया। इसके पूर्व राज्य स्तरीय खादी और पीएमईजीपी प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ नितेश धवन राज्य निदेशक खादी और ग्रामोद्योग आयोग और राजीव त्यागी उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तर प्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर आठ प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए खादी के 80 स्टाल धारकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में लोकमान मिश्र डीन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय आशुतोष सिंह, जयश्री ताल्लुकदार, प्रशांत मिश्रा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के अलावा तमाम स्टाल धारक मौजूद थे।

डॉ श्वेता श्रीवास्तव निर्विरोध चुनी गई आईएमए की संयुक्त सचिव

- ❑ वर्ष 2024-25 की अध्यक्ष सरिता और सचिव डॉ संजय सक्सेना रहेंगे

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के रिवर बैंक कॉलोनी स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई एम ए) लखनऊ शाखा की वार्षिक चुनाव प्रक्रिया का आयोजन किया गया जिसमे सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध चुने गये . नतीजों के अनुसार वर्ष 2024-25 की अध्यक्ष सरिता और सचिव डॉ संजय सक्सेना रहेंगे तथा अन्य पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों के नाम इस प्रकार हैं .प्रेसिडेंट इलेक्ट डॉ मनोज अस्थाना, वाईस

प्रेसिडेंट डॉ अनिल कुमार त्रिपाठी,डॉ अमित अग्रवाल और डॉ एम अलीम सिद्दीकी. फाइनेंस सचिव डॉ गुरमीत सिंह, एडिटर डॉ शाश्वत विद्याधर, जॉइंट सेक्रेटरी डॉ ऋतु सक्सेना,सुमीत सेठ,डॉ श्वेता श्रीवास्तव और डॉ वीरेंद्र कुमार .कार्यकारिणी सदस्यों में डॉ आर के दीक्षित,डॉ वारिजा सेठ, डॉ आशुतोष शर्मा,डॉ आर बी सिंह,डॉ संजय श्रीवास्तव,डॉ दर्शन कुमार बजाज,डॉ संतोष सिंह,डॉ पियूष कुमार,डॉ निशि टंडन,डॉ अलोक माहेश्वरी,डॉ सतीश कुमार, डॉ अर्चिका गुप्ता,डॉ अजय कुमार पटवा,डॉ राजीव सक्सेना और डॉ नईम अहमद शेख निर्विरोध चुने गये।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 70 व्यापारियों ने अपने स्वास्थ्य का हाल जाना

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, खजाना मार्केट इकाई एवं उत्तर प्रदेश आदर्श योग समिति तथा चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में खजाना मार्केट आशियाना में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की खजाना मार्केट इकाई के संयुक्त तत्वाधान में खजाना मार्केट में गोविंद हॉस्पिटल रतन खंड शारदा नगर के सहयोग से व्यापारियों तथा योगार्थियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ स्वास्थ्य शिविर में 70 से अधिक व्यापारियों एवं योगार्थियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई इस अवसर पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ,प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल खजाना मार्केट के अध्यक्ष संदीप सिंह गौर, महासचिव आर के एस राठौर, कोषाध्यक्ष अंकुर कपूर,संयुक्त सचिव नरेश सिंह,उपाध्यक्ष एम पी

भास्कर,वीरेंद्र प्रताप सिंह,विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा,उत्तर प्रदेश आदर्श योग समिति के प्रदेश संरक्षक आर.के गुप्ता,प्रदेश महा सचिव ओ. पी श्रीवास्तव,प्रदेश उपाध्यक्ष राजकुमार शुक्ला,प्रदेश सचिव आर. डी वर्मा, हरीशचंद्र ओली,निखिल प्रताप सिंह,अखिल प्रताप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे तथा गोविंद हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉक्टर एमके यादव ,डॉक्टर राहुल यादव, डॉक्टर ज्योति यादव ,डॉक्टर श्रेया पांडे, डॉक्टर रुचि यादव,डॉ बोली सिंह द्वारा व्यापारियों की ब्लड प्रेशर, शुगर, हड्डियों की हृदय ,मुख एवं अन्य निशुल्क जांच की गई इस स्वास्थ्य शिविर को अनुराधा मलिक जी के द्वारा कोऑर्डिनेटर किया गया एवं विशेष सहयोग हेमंत, चंद्रभान, सुनीता सुरजीत, अन्यापांडे के द्वारा किया गया इस अवसर पर बोलते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा खजाना मार्केट इकाई एवं संगठनों के द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है सभी को अपने स्वास्थ्य की चिंता लगातार करनी चाहिए तथा स्वास्थ्य की नियमित जांच भी करवानी चाहिए और गोविंद हॉस्पिटल की भी एक अनूठी पहल है जो कि समाज के लिए हितकर है इस तरह से निस्वार्थ कैंप लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देना एक चिकित्सक के स्वभाव को दर्शाता है कि डॉक्टर सिर्फ व्यावसायिक उद्देश्य के लिए काम नहीं करते बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में भी उनकी अहम भूमिका है आज कि कैंप में गोविंद हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर एम के यादव के द्वारा भी यह संकल्प लिया गया की समाज में सबसे कम से कम कीमत पर सबसे अच्छी से अच्छी सेवाएं स्वास्थ्य संबंधित देने के लिए वह संकल्पित है ताकि समाज के पिछले से पिछले व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से पहुंच सके।

एयरटेल ने जारी की स्पैम रिपोर्ट, स्पैम सॉल्यूशन के लॉन्च के बाद दिखे नेटवर्क ट्रेंड का किया विश्लेषण

संवाददाता

लखनऊ। भारत के पहले स्पैम-फाइटिंग नेटवर्क भारती एयरटेल ने अपने एआई-संचालित स्पैम-फाइटिंग सॉल्यूशन को लॉन्च करने के ढाई महीने के भीतर ही 8 अरब स्पैम कॉल और 0.8 अरब स्पैम एसएमएस को चिह्नित किया है। इस एडवांस्ड एल्गोरिदम की मदद से, एआई-संचालित नेटवर्क ने हर दिन लगभग एक मिलियन स्पैमर्स की पहचान सफलतापूर्वक की है। पिछले ढाई महीनों में कंपनी ने लगभग 25.2 करोड़ यूनिक कस्टमर्स को इन स्पैम कॉल्स के बारे में सतर्क किया है और देखा गया है कि ऐसे कॉल्स का जवाब देने वाले ग्राहकों की संख्या में 12: की कमी आई है। एयरटेल नेटवर्क पर सभी कॉल्स में से 6: को स्पैम कॉल्स के रूप में पहचाना गया है, जबकि कुल एसएमएस का 2: भी स्पैम के रूप में चिन्हित किया गया है। दिलचस्प तथ्य यह है कि 35: स्पैमर्स ने लैंडलाइन टेलीफोन का इस्तेमाल किया है। दिल्ली के ग्राहकों को सबसे ज्यादा स्पैम कॉल प्राप्त हुए हैं, उसके बाद आंध्र प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ग्राहकों को। सबसे ज्यादा स्पैम कॉल दिल्ली से की गई, उसके बाद मुंबई और कर्नाटक से। एसएमएस के मामले में सबसे ज्यादा एसएमएस गुजरात से भेजे गए, फिर कोलकाता और उत्तर प्रदेश से। सबसे ज्यादा ग्राहक मुंबई, चेन्नई और गुजरात के निशाने पर रहे। रिपोर्ट में सामने आए ट्रेंड के मुताबिक, 76: स्पैम कॉल पुरुष ग्राहकों को की गई है। उम्र के आधार पर भी स्पैम कॉल की संख्या में अंतर देखा गया है। 36-60 आयु वर्ग के ग्राहकों को 48: स्पैम कॉल मिली है, जबकि 26-35 आयु वर्ग के ग्राहकों को 26: कॉल की गई। वरिष्ठ नागरिकों के पास केवल 8: स्पैम कॉल पहुंची है। कंपनी के विश्लेषण से स्पैम कॉल के समय का भी पता चला है। स्पैम कॉल सुबह 9 बजे से शुरू होती है और दिन चढ़ने के साथ इनकी संख्या बढ़ती जाती है।